



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 18]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 6, 1978 (वैशाख 16, 1900)

No. 18]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 6, 1978 (VAISAKHA 16, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 मार्च 1978

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (1)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24 फरवरी, 1978 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 25 मार्च, 1978 से 31 मई, 1978 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है ।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (2)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24 फरवरी 1978 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री पी० एस० सबरवाल को, राष्ट्रपति द्वारा 24 मार्च 1978 से 31 मई 1978 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है ।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (3)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 13 फरवरी 1978 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० आर० बसरा को, राष्ट्रपति द्वारा 12 मार्च 1978 से 31 मई 1978 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है ।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (4)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24 फरवरी 1978 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आई० जे० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 11 मार्च 1978 से 29 अप्रैल 1978 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है ।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (5)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24 फरवरी 1978 के अनुक्रम

में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० के० मागो को, राष्ट्रपति द्वारा 1 मार्च 1978 से 15 अप्रैल 1978 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (6)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24 फरवरी 1978 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० दयाल को, राष्ट्रपति द्वारा 1 मार्च 1978 से 15 अप्रैल 1978 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी,  
अवर सचिव,  
प्रशासन प्रभारी  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1978

सं० पी०/556-प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा श्री एम० एम० टामस को उनके पुनः नियोजन की अवधि के 30 मार्च, 1978 (अपराह्न) को समाप्त होने पर उसी दिन से संघ लोक सेवा आयोग में सलाहकार के पद से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

प्र० ना० मुखर्जी,  
अवर सचिव (प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

#### केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1978

सं० 87 आर० सी० टी० 28—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री एच० एस० राठौर, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायी सहायक, की केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 12 अप्रैल 1978 से 15 मई 1978 तक, या अगले आदेश तक जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीनिवास,  
अवर सचिव  
कुले केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

#### गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1978

सं० ए० 19036/8/78-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, जम्मू एवं काश्मीर राज्य पुलिस के अधिकारी श्री सुखदेव सिंह, जो पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जम्मू शाखा के रूप में

प्रतिनियुक्ति पर थे, को दिनांक 23 मार्च 1978 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

जरनैल सिंह,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 अप्रैल 1978

सं० पी० आठ-4/76-स्थापना-छः—राष्ट्रपति, श्री सी० पी० मैथानी, सूबेदार को उनकी पदोन्नति पर उप पुलिस-अधीक्षक (कंपनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर अस्थायी रूप में अगले आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने अपने पद का कार्यभार 8वीं वाहिनी, के० रि० पु० बल में आई० टी० बी० पी० से परावर्तन के फलस्वरूप 11 फरवरी 1978 (पूर्वाह्न) को संभाल लिया।

दिनांक 14 अप्रैल 1978

सं० ओ-II-132/75-स्थापना—मेजर ज्ञान सिंह (अवकाश प्राप्त) ने प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्ति पर सहायक कमांडेंट ए० डब्ल्यू० एस०, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार दिनांक 8 नवम्बर 1977 (अपराह्न) से त्याग दिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-3, दिनांक 15 मार्च 1978

सं० ई-16013/1/2/78-पर्स (सी० आई० एस० एफ०)/पर्स-4—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश के भारतीय पुलिस सेवा संवर्ग (1944) के अधिकारी श्री आर० सी० गोपाल को 28 फरवरी, 1978 के अपराह्न से श्री एल० एस० बिष्ट, आई० पी० एस० (उ० प्र०-1942) जो उसी तारीख के अपराह्न से सेवा-निरावृत्त हो गए हैं, के स्थान पर केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

च० अश्ववर्ती,  
निदेशक

नई दिल्ली-110024, दिनांक 9 अप्रैल 1978

सं० ई-32015(1)/5/77-कार्मिक—राष्ट्रपति, पुनः नियुक्ति आधार पर ले० कर्नल आर० एस० रंधावा को 20 मार्च 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के० ओ० सु० ब० यूनिट बी० एच० ई० एल० हरिद्वार का कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 अप्रैल 1978

सं० ई-16013(2)/1/78-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री अजीत नारायण भा० पु० से० (हि०

प्र०-1970) ने 20 मार्च 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एफ० सी० आई० सिन्धी के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

रा० च० गोपाल,  
महानिरीक्षक/के० श्री० सु० ब०

### मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1978

सं० एस० (47)/प्रशा० II—मुद्रण निदेशक ने श्री के० ए० शिवासुब्रामणियन, ओवरसियर को भारत सरकार मुद्रणालय, नासिक में तारीख 17-2-1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० जी० (33)/प्रशा० II—मुद्रण निदेशक ने श्री समीर कुमार (गंगोपाध्याय) गंगोली, ओवरसियर को भारत सरकार मुद्रणालय, अलीगढ़ में तारीख 10-2-1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० बी० (32)/प्रशा० II—मुद्रण निदेशक ने श्री तारकनाथ बनर्जी, ओवरसियर को भारत सरकार मुद्रणालय (के० एस० राय यूनिट) सत्रागाछी, हावड़ा में तारीख 30-1-1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न किया रूप से सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) के पद पर नियुक्त किया है।

पी० एस० पाखानी  
संयुक्त निदेशक (प्रजा)

नई दिल्ली, दिनांक 21 अप्रैल 1978

सं० I (1)/प्रशासन-2—मुद्रण निदेशक ने श्री मणि-लाल ईश्वरी, ओवरसियर को तारीख 18-4-1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक भारत सरकार मुद्रणालय, सत्रागाछी, हावड़ा में स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) नियुक्त किया है।

पी० बी० कुलकर्णी,  
संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार प्रथम मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 10 अप्रैल 1978

क्रमांक-प्रशासन-I/17—महालेखाकार-प्रथम मध्यप्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई/स्थानापन्न अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न क्षमता में लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रुपये 840-40-1000-द० अ०-40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शाए गए दिनांक से पदोन्नत किया है।

1. श्री आर० के० बंसल (02/228) 1-3-78 पूर्वाह्न
2. श्री जगदीश चन्द्र सक्सेना (02/232) 31-3-78 पूर्वाह्न।

3. श्री जय प्रकाश सक्सेना-2 (02/233) 1-3-78 पूर्वाह्न।

4. आनंदी लाल पवार (02/541) 3-3-78 अपराह्न (अनुसूचित जाति के आरक्षित स्थान में)।

कृष्ण गोपाल,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

### रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डेनैन्स फैक्टरियां अधिसूचना

कलकत्ता, दिनांक 13 अप्रैल, 1978

सं० 3/78/ए०/एम०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (अर्थात् 58 वर्ष एवं 2 वर्षों की वृद्धि) प्राप्त कर, डा० बी० बी० कर, स्थायी सहायक चिकित्सा अधिकारी, आर्डेनैन्स फैक्टरी कानपुर दिनांक 28-2-1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

(ब्रिगेडियर) पी० एन० त्रिखा,  
निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं  
कृते महानिदेशक, आर्डेनैन्स फैक्टरियां

### श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक मार्च 1978

सं० 12 (6) 72—श्री एन० पी० सिंह सहायक कल्याण प्रशासक को दिनांक 1-11-77 (पूर्वाह्न) से रु० 650-1200 के वेतनमान में कल्याण प्रशासक (परिवार कल्याण) के पद पर पदोन्नति दी गई। वे दो साल की अवधि तक परीवीक्षाधीन रहेंगे।

श्री सिंह को कोयला खान कल्याण संस्था धनबाद के अन्तर्गत तैनात किया गया।

यह दिनांक 11-1-1978 के अधिसूचना संख्या प्रशासन 12 (6) 77 के सम संख्यक ज्ञापन का अधिक्रमण करता है।

एच० एच० कुरैशी,  
अपर कोयला खान कल्याण आयुक्त

### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1978

आयात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण

सं० 6/26/54-प्रशासन (राज०)/2943—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर श्री एम० एम० पुरी ने इस कार्यालय से 31 मार्च, 1978 के अपराह्न से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

का० वें० शोषाद्रि,  
मुख्य नियंत्रक

## उद्योग मंत्रालय

## औद्योगिक विकास विभाग

## पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक अप्रैल 1978

सं० जूट (ए)/147/58—इस कार्यालय के अधिसूचना सं० समान दिनांक 18-1-1978 के सिलसिले में दिनांक 11-1-1978 (पूर्वाह्न) के पश्चात् “अगले आदेश तक” पड़े ।

टी० एस० चक्रवर्ती  
कार्यकारी अधिकारी

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1978

सं० जूट (ए) 147/65—श्री के० पी० दास के अवकाश जाने पर पटसन आयुक्त एतद्वारा श्री एस० के० हाजरा, निरीक्षक (तकनीकी) को इस कार्यालय में दिनांक 2-3-1978 (पूर्वाह्न) से 17-4-78 (अपराह्न) तक एक तदर्थ स्थानापन्न ग्रुप “बी०” (राजपत्रित) सहायक निदेशक (नियत) की हैसियत में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं ।

के० के० बनर्जी  
प्रशासनिक अधिकारी

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० 12 (16)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश की समाप्ति पर डा० बी० एम० सेदालिया को राष्ट्रपति जी दिनांक 14-3-1978 (अपराह्न) से मूल नियम 56 (के०) के अधीन सरकारी सेवा से स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त होने की अनुमति सहर्ष प्रदान करते हैं ।

दिनांक 31 मार्च 1978

सं० 12 (60)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—लघु उद्योग विकास संगठन के श्री एस० नजुबन, निदेशक (ग्रेड-1) (जी० ए० डी०) को राष्ट्रपति जी दिनांक 3-11-1977 से मौलिक नियम 56 (क) के अधीन सरकारी सेवा से स्वैच्छिक रूप से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति देने हैं ।

बी० बेकटरायलु  
उप निदेशक, प्रशासन

## इस्पात और खान मंत्रालय

## (खान विभाग)

## भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 11 अप्रैल 1978

सं० 2661/बी०/40/59/सी०/19ए०—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एस० के० दत्त को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर, 27-2-1978 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है ।

सं० 2684/बी०/40/59/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री एन सी० राय सरकारी सेवा से वार्धक्यनिवर्तन पर 31 अक्टूबर, 1977 (अपराह्न) से निवृत्त हो गए ।

सं० 2685/बी०/ 2222 (ए० के० एस०)/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री ए० के० श्रीवास्तव को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से त्यागपत्र देने पर 22 अक्टूबर, 1977 के अपराह्न से मुक्त किया जा रहा है ।

बी० एस० कृष्णस्वामी,  
महानिदेशक

## भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 10 अप्रैल 1978

सं० ए०-19012/84/77-स्था० ए०—श्री पी० एम० केशवानी, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (सांख्यिकी) को दिनांक 13 मार्च, 1978 से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में खनिज अधिकारी (सांख्यिकी) के पद पर पदोन्नति प्रदान की जाती है ।

दिनांक 11 अप्रैल 1978

सं० ए०-19011/59/75-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री के० सत्यानारायण को 20 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में भारतीय खान ब्यूरो में अधीक्षक अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं ।

एल० सी० रणधीर,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

भारतीय खान ब्यूरो

## राष्ट्रीय अभिलेखागार,

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 मार्च, 1978

सं० एफ० 20 (ए०-8) 1/61-ए० 1 खंड 2)—निवर्तन की आयु होने के परिणामस्वरूप, श्री जे० एल० भटनागर,

सहायक इंजिनियर को राष्ट्रीय अभिलेखागार की सरकारी सेवा से 31 अक्टूबर, 1977 के अपराह्न से निवृत्त किया गया।

सं० एफ० 11-9/77-ए०-1—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री एम० एम० खान को नियमित प्रस्थायी आधार पर 30-3-1978 के अपराह्न में आगामी आदेशों तक अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।  
ह० अपठनीय  
अभिलेख निदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय  
विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय  
नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं० ए०-12026/9/78-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, स्थानापन्न (तदर्थ) ग्रेड-3 केन्द्रीय सूचना सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय में दिनांक 20 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक साधारण प्रतिनियुक्ति शर्तों पर तदर्थ रूप से सहायक माध्यम कार्यपालक नियुक्त करते हैं।

1. श्री सी० आश्राहाम ।
2. श्री आर० आर० राव ।

के० एम० ओनिवासन,  
वरिष्ठ कापि लेखक  
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय  
(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1978

सं० ए०-12011/1/78-एच०—राष्ट्रपति ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में सह-प्राध्यापक और दन्त शल्य चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष डा० शेर सिंह मिश्र को, उनकी अपनी ड्यूटियों के अतिरिक्त, भारत सरकार के अवैतनिक दन्त चिकित्सा सलाहकार के रूप में उनकी

नियुक्ति की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए तत्काल नियुक्त किया है।

एम० सी० कुमार  
उप सचिव

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय  
(ग्राम विकास विभाग)  
विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय,  
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 10 अप्रैल, 1978

सं० फाईल 4-13 (31)/75-प्रशा० III—इस निदेशालय में सहायक निदेशक (तेल और वसा) के पद पर चयन होने के उपरान्त श्री के० एस० कामथ ने केन्द्रीय ऐगमार्क प्रयोगशाला, नागपुर में दिनांक 20 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद का कार्यभार सौंप दिया है।

वी० पी० चावला  
निदेशक प्रशासन  
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
कार्मिक प्रभाग

बम्बई, 400085, दिनांक 20 मार्च 1978

संदर्भ 5/1/78/स्था० 11/1151—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री एफ० डी० सूजा, सहायक लेखापाल को इसी अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 3 जनवरी, 1978 पूर्वाह्न से 7 मार्च, 1978 के अपराह्न तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री ए० एस० बरकुले, सहायक लेखा अधिकारी के स्थान पर की गई जो प्रशिक्षण कोर्स (कोबोन), नई दिल्ली के लिए प्रतिनियुक्त किए गए थे।

दिनांक 3 अप्रैल, 1978

संदर्भ 5/1/77-स्थापना 11/1341—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी/सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न नियुक्ति	अवधि	
			से पूर्वाह्न	तक अपराह्न
1	2	3	4	5
1.	श्री बी० के० स्वामी सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी II	16-1-78	24-2-78
2.	श्री एन० बालकृष्णन सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	16-1-78	4-3-78
3.	श्री बी० एम० नाइक मिलेकशन ग्रेड क्लर्क	—यही—	3-10-77	18-2-77

पी० एस० वेकटसुब्रमण्यम, उप स्थापना अधिकारी

## परमाणु ऊर्जा विभाग

## विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

मुम्बई-5, दिनांक 5 अप्रैल 1978

सं० पी० पी० ई० डी०/3 (262)/76-प्रशासन/4053—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न प्रवरण कोटि लिपिक श्री एच० एच० शाह को 1 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से लेकर 4 मई, 1978 के अपराह्न तक की अवधि के लिए उसी प्रभाग में एक अवकाश रिक्ति में अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० वी० थाटे,  
प्रशासन-अधिकारी

## राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

अणुशक्ति, दिनांक 12 अप्रैल 1978

सं० रापविप/भर्ती/7 (8)/78/स्थल 323—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक व परमाणु खनिज प्रभाग के स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री कोलंकरा शंकरन कुट्टी को परमाणु खनिज प्रभाग, पूर्वी वृत्त से स्थानांतरित होने पर, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में सहायक प्रशासन अधिकारी के ग्रेड (रु० 650-960/-) में अधिकारी के पद पर दिनांक 8 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
इसे मुख्य परियोजना इंजीनियर

## अन्तरिक्ष विभाग

## भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

शार केन्द्र

श्री हरिकोटा-524124, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० एस० सी० एफ० पी० एण्ड जी० ए० स्थापना 1.72—निदेशक, शार केन्द्र, श्री हरिकोटा में श्री सी० सूर्य प्रकाश राव को इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति पर नियुक्त करते हैं।

सं० एस० सी० एफ० पी० एण्ड जी० ए० स्थापना 1.72—निदेशक, शार केन्द्र, श्री हरिकोटा में निम्नलिखित अधिकारियों को इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से आगामी आदेशों तक नियुक्त करते हैं:

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तारीख
-------------	-----	-------	-------------------

सर्वश्री

1.	डी० रामा मूर्ति	इंजीनियर 'एस० बी०'	7-2-78
2.	आर० राधाकृष्णन	इंजीनियर 'एस० बी०'	27-2-78
3.	सुबीर मुकुर्जी	इंजीनियर 'एस० बी०'	6-3-78
4.	मोहम्मद अरीफुद्दीन	इंजीनियर 'एस० बी०'	18-3-78

आर० गोपालारत्नम,  
प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन  
इसे निदेशक

## पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

## भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 13 अप्रैल 1978

सं० ई (1) 00953—वेधशालाओं के महानिदेशक, श्री राम वीर शर्मा को भारतीय मौसम सेवा, ग्रुप बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप-बी) में दिनांक 14 मार्च 1978 के अपराह्न से आगामी आदेश तक सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री आर० वी० शर्मा को वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया जाता है।

सं० ई (I) 05889—वेधशालाओं के महानिदेशक श्री कृष्ण मुरारी सिंह को भारतीय मौसम सेवा, ग्रुप बी (केन्द्रीय सिविल सेवा, ग्रुप-बी) में 13 जनवरी, 1978 के अपराह्न से आगामी आदेश तक स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री सिंह को निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम केन्द्र पटना में तैनात किया जाता है।

सं० ई (I) 07108—निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में सहायक मौसम विज्ञानी श्री जी० पी० शर्मा का संचार निदेशालय, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) में संचार अधिकारी (सीमाशुल्क) के पद पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के फलस्वरूप उन्हें 8-3-1978 के पूर्वाह्न से कार्यभार से मुक्त कर दिया गया।

दिनांक 14 अप्रैल 1978

सं० ई (I) 07792—भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-II के पद पर नियुक्ति हेतु चयन कर लिए जाने के फलस्वरूप वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी

डा० एस० के० दुबे को 8 मार्च 1978 के पूर्वाह्न में कार्यभार सौंपा कर दिया गया।

मुख्य नाम गुणा,  
सीसम विज्ञानी (स्थापना)  
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नामर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1978

सं० ए० 32013/1/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री एस० सी० जोशी, विमानक्षेत्र अधिकारी को श्री पी०के० विश्वास, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी, जिन्हें हिन्दी प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है, के स्थान पर दिनांक 31-3-1978 से 31-5-78 तक तदर्थ आधार पर वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

विश्व विनोद जोहरी,  
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तलिय

पटना, दिनांक 15 अप्रैल 1978

मि० सं० 11(7) 1-स्था०/77/4189-समाहर्तलिय इलाहाबाद के श्री जयनारायण सिंह, कनीय लेखा पदाधिकारी को पूर्णतः तदर्थ आधार पर लेखा पदाधिकारी के रूप में, चीफ कंट्रोलर आफ एकाउंट्स केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड, नई दिल्ली के आदेश एफ० सं० ए० डी० एम०/1(1) 10/77/78/2714 दिनांक 3-2-78 के अनुसार रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान पर नियुक्त किया गया। उक्त आदेश के अनुसरण में श्री जय नारायण सिंह केन्द्रीय उत्पाद, पटना में वेतन एवं लेखा अधिकारी के रूप में दिनांक 27-2-78 के पूर्वाह्न में कार्यभार ग्रहण किया।

(ह०) अपठनीय  
समाहर्ता  
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 14 अप्रैल 1978

शुद्धि-पत्र

सं० 11-टी आर (13)/77—समसंख्यक अधिसूचना तारीख 17-2-1978 की पांचवी पक्ति में आंकड़ें और शब्द "1 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न)" के स्थान पर "31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न)" पढ़ा जाय।

के० ए० सिधू,  
नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 14 अप्रैल 1978

सं० 6/5/78-प्र० 2—अध्यक्ष केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद् द्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी श्रेणी-2 सेवा में प्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक

प्रभियन्ता के ग्रेड में, उनके नामों के सामने दी गई निधियों से, अन्य प्रादेश होने पर, स्थापित क्षमता में नियुक्त करते हैं।

- |                        |           |
|------------------------|-----------|
| 1. श्री आ० ए० मुखर्जी  | 9-2-1978  |
| 2. श्री बी० श्रीनिवासन | 6-3-1978  |
| 3. श्री जीदत अली       | 13-2-1978 |
| 4. श्री ए० बोस         | 9-2-1978  |

संतोष विश्वास,  
अवर सचिव

रेल मंत्रालय

अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन

लखनऊ-11, दिनांक 3 अप्रैल 1978

सं० ई-2/ई एस/सी एफ एम/ओ/पब्लि० एण्ड डाक—श्री हृदय नारायण श्रीवास्तव को अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन के प्रकाशन और प्रलेखपोषण स्कन्ध में दिनांक 19 फरवरी 1970 से सहायक प्रलेखपोषण अधिकारी (प्रकाशन) के स्थायी द्वितीय श्रेणी पद पर स्थायी किया जाता है।

बी० मोहनन्ती,  
महा निदेशक

पूर्ति और पुनर्वसि मंत्रालय

पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 10 अप्रैल 1978

सं० जो०-65/बी (कान)—अधो हस्ताक्षरित इसी द्वारा राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता के वैज्ञानिक सहायक (रसायन) श्री पीयूष कान्ति माझि को 16-2-78 (पूर्वाह्न) से आगामी प्रादेशों तक उसी कार्यालय में तदर्थ वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० सी० विश्वास,  
मुख्य निदेशक  
राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपूर  
कलकत्ता-27

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और नालन्दा ह्यूमन लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० 4345/4178एस०सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि नालन्दा ह्यूमन लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में हाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गोरखपुर कार्ड बोर्ड एण्ड एलायड इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० 4346/3912एस०सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना जाती है कि गोरखपुर कार्ड बोर्ड एण्ड एलायड इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्वदेश एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० 4347/2205 एस० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि स्वदेश एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

एस० नारायणन,  
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज  
यू० पी०, कानपुर

मैसर्स करंट ट्रांसपोर्ट एण्ड फार्निश प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1936 की धारा 445 (2) के अन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल 1978

सं० कं० लिक्व०/4282/6612—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 9-12-1977 के आदेश से मैसर्स करंट ट्रांसपोर्ट एण्ड फार्निश प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्त होना, आदेशित हुआ है।

आर० के० अरोड़ा  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार  
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सहनादर ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 10 अप्रैल 1978

सं० 4393/560 (3)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सहनादर ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सी० अभ्युतन,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्टैंडर्ड बिजनेज सेन्डिकेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 13 अप्रैल 1978

सं० 12608/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर स्टैंडर्ड बिजनेज सेन्डिकेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

एस० सिनाय,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
पश्चिम बंगाल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

शुद्धि-पत्र

अहमदाबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1978

“25 मार्च 1978 वाले भारत के राजपत्र के भाग III खण्ड के पन्ना 1558 पर कालम 3 में (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) के आगे लिखे गये शब्दों “श्रीमती शान्ता बहेन दिपक भाई शाह” को “श्रीमती शारदा बहेन दिपक भाई शाह” पढ़िये।

एस० सी० पारीख,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

प्रारूप भाई० टी० एन एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 30 मार्च 1978

निदेश सं० ए० पी० 1773--अतः मुझे बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में है जो नकोदर रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1977

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

2-56GI/78

1. श्री जगदीश चन्द महेन्द्र पुत्र श्री सुदर्शन लाल महेन्द्र अनील कुमार पुत्र श्री विश्वा मित्तर् महेन्द्र, श्रीमती निर्मला देवी पति श्री विश्वा मित्तर् महेन्द्र खुद तथा जी० ए० श्री रजिन्द्र कुमार पुत्र श्री विश्वा मित्तर् महेन्द्र, जैन हाऊस, जी० टी० रोड, जालन्धर (अन्तरिती)

2. श्री सुभाष कुमार पुत्र श्री सोहन लाल पुत्र श्री मालाबा राम, डब्ल्यू-जी-418, नकोदर रोड, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि उपरान्त 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जायदाद जैसा कि विलेख नं० 4776 नवम्बर-77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 30-3-78

4-4-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1978

निर्देश सं० पी० आर० 570/ए० सी० क्यू० 23-977/6-2/77-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० सं० नं० 153 (पैकी) कुल माप 12009 वर्ग फुट है, तथा जो जेनलपुर, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1977 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री छोटामाई जेठामाई पटेल पदमला, ता० बड़ोदा (अन्तरक)

2. श्री अशोक का० आ० हाउसींग सोसायटी लि० फतेह गंज, सदर बाजार, बड़ोदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 153 (पैकी) जनलपुर, ता० बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल माप 12009 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के अगस्त, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2270 में प्रदर्शित हैं।

डी० सी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5 अप्रैल, 1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री देसाई भाई लखुभाई पटेल, तुलसीपुरा, ता० सावली  
(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1978

निदेश सं० पी० आर० 571/ए० सी० क्यू० 23-977/6-2  
77-78 —अतः मुझे डी० सी० गोयल  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० नं० 153 (पैकी) कुल माप 11781 वर्ग फुट  
है, तथा जो जेनलपुर, ता० बड़ोदा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10  
अगस्त, 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की नाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री अणोक नगर को आ० हाउसींग सोसायटी लि० फतेह  
गंज, सदर बाजार, बड़ोदा, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 153 (पैकी) जेनलपुर, ता० बड़ोदा  
में स्थित है तथा जिसका कुल माप 11781 वर्ग फुट है जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी बड़ोदा के अगस्त 1977 के रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 2268 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II अहमदाबाद

तारीख 5-4-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1978

निर्देश सं० पी० आर० 572/ए० सी० क्यू० 23-977/6-2/  
77-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 153 (पैकी) कुल आय 12446 वर्ग फुट है, जो जेतलपुर, बड़ोदा में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान फलित के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान फलित के, ऐसे दृश्यमान फलित का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया फलित, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विठल भाई इश्वरी भाई पटेल, पदमला, ता० बड़ोदा (अन्तरक)

2. श्री अशोक को० आ० हाउसिंग सोसायटी लि०, फतेह गंज सदर बाजार, बड़ोदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 153 (पैकी) जेतलपुर ता० बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल माप 12446 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के अगस्त, 1977 के रजिस्ट्रीकर्ता विलेख सं० 2269 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक : 5 अप्रैल, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1978

निदेश सं० पी० आर० 573/ए० सी० क्यू० 23-977/6-2/77-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 153 (पैकी) कुल माप 11868 वर्ग फुट है, तथा जो जेतलपुर, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रणछोड़ भाई द्वारा का दास पटेल सिमाली, ता० सिनोर (अन्तरक)

2. श्री अशोक नगर को० आ० हाउसींग सोसायटी लि०, फतेह गंज, सदर बाजार, बड़ोदा, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 153 (पैकी) जेतलपुर ता० बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल माप 11868 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के अगस्त, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2271 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 5 अप्रैल, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1978

निदेश सं० पी० आर० 574/ए० सी० क्यू० 23-1977/6-2/77-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० नं० 153 (पैकी) कुल माप 12880 वर्ग फुट है, जो जेतलपुर बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री छोटाभाई मकुरभाई पटेल रानिया, ता० सावली (अन्तरक)

2. श्री अशोक को० आ० हाउसिंग सो० लिमिटेड, फतेहगंज, सदर बाजार, बड़ोदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो० सं० नं० 153 (पैकी) जेतलपुर, ता० बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल माप 12880 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के अगस्त, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2272 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 5 अप्रैल, 1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अप्रैल, 1978

निदेश सं० ए० सी० यू० 23-I-1381 (644)/16-6/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,  
और जिसकी सं० जागनाथ प्लॉट स्ट्रीट नं० 4, है, जो जागनाथ स्ट्रीट नं० 4, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, राजकोट, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 22-8-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दामोदर दास रघूनाथभाई डेसाई, की ओर से पावर आफ एटारनी होल्डर :—श्री धीरजलाल हरजीवनदास डेसाई, रघुनाथ विल्डिंग, कबी नानालाल मार्ग, राजकोट (अन्तरक)

2. मैसर्स आर० के० एड सन्स की ओर से भागीदार :—

1. श्री किशोरकुमार जीवणलाल दोदिया, तथा अन्य 3-14, भक्ति नगर स्टेशन प्लॉट, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रहेछाण वाली अचल सम्पत्ति जो 316-6-0 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो स्ट्रीट नं० 4, जागनाथ प्लॉट राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन, 22-8-77 वाले बिफ्री दस्तावेज नं० 2104 में दिया गया है।

एस० सी० परीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक 10-4-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1380(648)/

16-6/77-78—अतः मझे एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

जो 'हरीश चन्द्र टाकीज के पीछे, "फातीमा काटेज" राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1808 का 16) के अधीन 31-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित कथितियों बर्थात् :—

1. (i) श्री सादिक अली इस्माईलजी  
तथा

(ii) श्री नजमुद्दीन इस्माईलजी, की ओर से पावर आफ एटारनी होल्डर:— श्री अब्बास अली इस्माईलजी, हरीशचन्द्र टाकीज के पीछे, राजकोट (अन्तरक)

2. (i) मोहम्मद हुसेन हबीबभाई

(ii) श्री मोहम्मद हनीफ हबीबभाई, मोची बाजार, मेन बाजार, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो "फातीमा काटेज" के नाम से प्रसिद्ध है तथा जो 222-1-33 वर्ग गज भूमि पर स्थित है जो हरीशचन्द्र टाकीज के पीछे, मोची बाजार, राजकोट में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन, 31-8-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 2196 में दिया गया है।

एस सी० परीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 10-4-1978

मोहर :

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10-4-1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1382(648)/  
16-6/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सरदारनगर नं० 11, है, जो सरदार नगर  
शेरी नं० 11, एस्टून सिनेमा के सामने, राजकोट में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन  
23-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भण्य भास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
3-56GI78

1. श्री ग्रामजी हरजी भाई पोटक, करनपरा शेरी नं० 2,  
त्रिज निवास, राजकोट (अन्तरक)

2. श्री चंद्रीकोबन गोपालदास भायानी, सरदार नगर,  
एस्टून सिनेमा के सामने, शेरी नं० 11, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रहठान वाली सम्पत्ति जो 150 वर्ग गज भूमि पर  
स्थित है तथा जो सरदार-नगर, शेरी नं० 11 में राजकोट  
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 23-8-77 वाले बित्री  
दस्तावेज नं० 2123 में दिया गया है।

एस० सी० परीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक 10-4-1978  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1978

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-1411(650)/16-2/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० विक्टरी सिनेमा नाम से प्रख्यात मकान है, तथा जो एम० जी रोड, गोन्डल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. महाराष्ट्र स्टेट के एडमिनिस्ट्रेटर जनरल पी० एन० डी० विल्डिंग, हाई कोर्ट बम्बई-1 (अन्तरक)

2. गोन्डल थियेटरस, प्रा० लि० 132, न्यू स्टोक एक्सचेंज बिल्डिंग, पांचवीं मंजिल एपोलो स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विक्टरी सिनेमा नाम से प्रख्यात मकान जो 595 वर्ग गज जमीन पर एम० जी० रोड, गोन्डल में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बम्बई द्वारा 29-8-1977 को किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० आर०-1599-73 में प्रदर्शित है।

ए० सी० परीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक: 18 अप्रैल, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1978

निदेश सं० एस एम एल/37/77--78--अतः मुझे  
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका खसरा नं० 359/सी/एच/टैलबट  
हाउस इस्टेट है तथा जो शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर,  
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरणों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूपांतरण नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण का  
दायित्व नें कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के दायित्वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाश नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, अन्तरण में  
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:--

सर्व श्री/श्रीमति

1 (i) राम प्रकाश कपूर पुत्र स्वर्गवासी श्री राय साहिब  
लाला राम जावैयीआ कपूर वासी सी-415, डीफेंस कालोनी, नई  
दिल्ली

(ii) श्री राम सारूप कपूर पुत्र स्वर्गवासी श्री गोविन्द सारूप  
कपूर वासी जी-71 नाजामुद्दीन बैस्ट, नई दिल्ली

(iii) श्री राखिंद्र कपूर पुत्र स्वर्गवासी श्री गोविन्द सारूप  
कपूर वासी जी-71 नाजामुद्दीन बैस्ट, नई दिल्ली ।

(iv) श्रीमति शियाम कुमारी कपूर, विधवा श्री गोविंद  
सारूप कपूर वासी ए-460, डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(v) श्री अमर कुमार कपूर, } स्वर्गवासी श्री गुरादिता कपूर  
(vi) श्री राम कुमार कपूर पुत्र }  
वासी 56 गोलफ लिंकस, नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. सर्वश्री वा श्रीमति

(i) हनवंत दास

(ii) जसवंती देवी मार्फत शिमला होल सेल मारट, कारट  
रोड, शिमला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जिसका खसरा नं० 359/सी/एच टैलबट हाउस  
इस्टेट जो कि शिमला में स्थित है ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला  
के कार्यालय के विलेख नं० 537 में दर्ज है ।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 18 अप्रैल, 1978

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल, 1978

निदेश सं० एल डी एच/331/77—78—अतः मझे नत्थू राम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक घर जिसका क्षेत्रफल 214 वर्ग गज है तथा जो मुहल्ला सुख राम नगर, लुधियाना है तथा नं० बी 13-1387 है तथा जो मुहल्ला सुखराम नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री विद्या प्रकाश पुत्र पंडित आतमा राम वासी घर नं० 1022 सैक्टर 8 सी चंडीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री रवी दत्त पुत्र श्री देस राज, वासी घर नं० 1341, सुखराम नगर, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक घर जिसका नं० बी-XIII-1387 और क्षेत्रफल 214 वर्ग गज है तथा जो मुहल्ला सुख राम नगर लुधियाना में स्थित है।

जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना के विलेख नं० 2525 नवम्बर, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18-4-1978

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस.—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल, 1978

निदेश सं० एल डी एच/178/77—78—अतः मुझे नत्थू राम घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक घर जिसका नं० बी-13-1387 और जिसका क्षेत्रफल 214 वर्ग गज र तथा जो सुख राम नगर लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्री विद्या प्रकाश पुत्र श्री आत्मा राम वासी घर नं० 1022 सैक्टर 8 सी चंडीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री नारेश कुमार पुत्र श्रीज वेसराज घर नं० 1341 सुखराम नगर, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक घर जिसका नं० बी-XIII-1387 जिसका क्षेत्रफल 214 वर्ग गज है और जो मुहल्ला सुखराम नगर, लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख नं० 1612 अगस्त, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक 18 अप्रैल, 1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्चन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल, 1978

निदेश सं० एल डी एच/178/77--78 यतः मुझे

नत्थू राम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 113-एल, है तथा जे माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. प्रताप सिंह,  
2. हरभजन सिंह,  
3. नरेश सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी 115 एल माडल टाउन लुधियाना ।

2. श्रीमति सतपाल कौर पत्नी सरदार ज्ञान सिंह, निवासी 113 एल माडल टाउन लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोठी नं० 113-एल, जिसका क्षेत्रफल 382 वर्ग गज है जो कि माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद गैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 1607 अगस्त 1977 में दर्ज है) ।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्चन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 18 अप्रैल, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोच्चिन

कोच्चिन-15 दिनांक 13 अप्रैल 1978

निदेश सं० एल० सी० 183/78—79—अतः मुझे  
सी० पी० ए० वासुदेवन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोकिट  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 21-8-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मम्मू (अहमद के द्वारा) (2) पी० के० वासुदेवर  
(3) पी० के० अहमद (4) पी० के० सहराबी, (5) पी०  
के० हसीम, (6) पी० के० जमीला (7) पी० के० कदीमु,  
(8) पी० के० बपीर (अन्तरक)

2. (1) सुबैदा, (2) मरियामबी (3) मुहम्मदअली,  
(4) रबीद, (5) अफरफ (6) कालिद (7) हारिस  
Minors through subaida (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

70 cents of land with buildings in SY. No. 47/3 (R. S.  
6-6135) of Kalathi Kunnu amsom desom in Calicut.

सी० पी० ए० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एर्णाकुलम,

दिनांक: 13 अप्रैल, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कोच्चिन-15

कोच्चिन-15 दिनांक 17 अप्रैल, 1978

निदेश सं० एल० सी० 184/78--79--अतः मुझे  
सी० पी० ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोयिलोण  
विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयि-  
लोण में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 17-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः—

1. मैसर्स राजमोहन काप्पूस प्राईवेट लिमिटेड (गोपीनाथन  
नायर के द्वारा) (अन्तरक)

2. श्री येणुदास नाडार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

16.5 cents of land with buildings in Sy. Nos. 866/1, 4, 3,  
9 of Quilon village.

सी० पी० ए० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणकुलम

दिनांक : 17 अप्रैल, 1978

मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च, 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एफ०/भोपाल 77-78/  
965—अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो खेतिया में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानसेमल  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 10 अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—56 GI/78

1. श्री नवीन चन्द्र पुत्र श्री मोहन लाल महाजन निवासी  
खेतिया (अन्तरक)

2. श्री अरविन्द पुत्र श्री मोहन लाल महाजन निवासी  
खेतिया पश्चिम निमाड़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

10.56 एकड़ भूमि खसरा नम्बर 464/2, 476/1,  
476/2, 476/3 पर स्थित ग्राम खेतिया जिला पश्चिम  
निमाड़।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 31 मार्च, 1978

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एफ०/भोपाल 77-78/966—अतः मुझे रा० कु० वाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला है, तथा जो नीमच केंद्र में स्थित/ है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नीमच में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-8-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दौलतबाई पत्नी श्री दोराबस पटेल निवासी नीमच केंद्र, नीमच। (अन्तरक)

2. (1) श्री मोहन लाल (2) श्री जिनेंद्र कुमार (3) श्री अशोक कुमार सभी पुत्र श्री राधाकिशनजी, निवासी नीमच केंद्र। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नम्बर 32(2) (भाग) पर स्थित नीमच केंद्र।

रा० कु० वाली  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 31-3-1978

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 77-78/967—अतः मुझे रा० कु० बाली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो तिलोखर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरैना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-8-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रन्वसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) आनंदी पत्नी श्री कुधेरी (2) सिवाराम, (3) राम कुमार पुत्र श्री कुधेरी (2) काशीबाई पति श्री शंकर ब्रह्मण सभी निवासी तिलोखर तहसील (5) श्रीमति रामदेही निवासी खिदोरा परगना-जौरा, तह० और जिला मुरैना।

(अन्तरक)

2. (1) अनता (2) तेजसिंह (3) मुरली (4) मंगला सभी पुत्र श्री श्याम लाल और (5) मूला पुत्र श्री केवला सभी निवासी शंखपुर परगना, सबलगढ़, जिला मुरैना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि रकबा 8 बीघा 10 विश्वा पर तो अलग अलग खसरा नम्बर 1 का ग्राम तिलोखर परगना जौरा जिला मुरैना और 32 बीघा 16 विश्वा कृषि भूमि पर सात अलग अलग खसरा नम्बर 1 का ग्राम जयताप। (और जो उपर्युक्त मुरैना द्वारा दिनांक 9/8/77 को क्रमांक 1453 पर पंजीकृत दस्तावेज में पूर्णरूपेण वर्णित है।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक 31 मार्च, 1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एनवी०/भोपाल 77-78/  
968—अतः मुझे रा० कु० वाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-8-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परब्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स स्काय लाइन्स 9/1 महारानी रोड, इन्दौर  
(अन्तरक)

2. मे० सुशीला अपार्टमेंट्स कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड 13/2 एम० जी० रोड, इन्दौर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि रकबा 15,000 स्क्वैर फीट (75' x 200')  
स्थित दक्षिण भाग पर 13/2 एम० जी० रोड, इन्दौर।

रा० कु० वाली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 31 मार्च, 1978  
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एफवी/भोपाल—अतः, मुझे,  
रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
31-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मे० स्काय लाइन्स 9/1 महारानी रोड, इन्दौर ।  
(अन्तरक)
2. संधीला अपार्टमेंट्स कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइ  
लिमिटेड 13/2 एम जी० रोड, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि रकबा 15,000 स्क्वयर फीट (75×200)  
स्थित उत्तरी भाग पर 13/2 एम० जी० रोड-1, इन्दौर ) ।

रा० कु० बाली  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 31-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 77-78/970—अतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-8-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शिव शक्ति नगर ग्रहनिर्माण समिति मार्यादिल  
75 खजूरी बाजार, इन्दौर (अन्तरक)

2. (1) काती लाल हजारी लाल जैन 44 नलिया बाखल,  
इन्दौर (2) श्री अनिल कुमार बाबूज भाई 200 एम टी०  
क्लोथ मार्केट, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समिति के अर्जन में लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 6 पर 25 यशवन्त निवास रोड, इन्दौर  
रकबा 6300 स्कुअर फीट ।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 31 मार्च, 1978

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एम० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 भाग 269-अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 31 मार्च, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एस्वी०/भोपाल 77-78/  
 971—अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट है तथा जो इन्दौर में स्थित है  
 (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित  
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजि-  
 स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
 22-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 में सुविधा के लिए,

यह अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. गे० जयशंकर नगर ग्रहनिर्माण सहकारी समिति  
 मार्यादित 75 खजूरी बाजार इन्दौर (अन्तरक)

2. (1) केशरीमल मोतीलाल 31 मल्हार गज इन्दौर  
 (2) आनन्दी लाल सागर भल 127 एम० टी० बिलोथ  
 मार्केट इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका नम्बर 4 रकबा 6300 स्क्वायर फीट  
 (75×84) स्थित 15 यशवन्त निवास रोड इन्दौर।

रा० कु० बाली  
 मक्षम प्राधिकारी  
 निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
 अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 31 मार्च, 1978  
 मोहर : 1

## प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/बी० पी० एल०/77-78/972—अतः मझे रा० कु० वाली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-8-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थवास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० शिव ग्रह निर्माण सहकारी समिति पर्याप्त 75, खजूरी बाजार, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री मीठासाल मेहताव चन्द राका 4/7 नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 3 रकबा 10050 वर्ग फुट (75×134) स्थित, 25, यशवंत निवास रोड, इन्दौर।

रा० के० वाली  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज, भोपाल,

दिनांक : 31-3-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. म० शिव शक्ति नगर ग्रह निर्माण सहकारी समिति  
मार्यादित 75 खजूरी बाजार इन्दौर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 77-78/  
973—अतः मुझे रा० कु० बालीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी संख्या प्लॉट है, तथा जो इंदौर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-8-77  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

5—56GI/78

2. (1) श्री संपत कुमार (2) चन्द्रकाश रोनो पुत्र श्री  
श्रीनिवास दास निवासी कसेरा बाजार इंदौर (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 1 खसरा 10050 स्कुअर फीट (75×  
134) स्थित पर 25 यशवन्त निवास रोड इन्दौर

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी,

(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 31 मार्च, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० ए०/भोपाल 77-78/974—अतः मुझे रा कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दिलीप सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह जूनेजा निवासी 98 जवाहर मार्ग इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री जसवन्त सिंह छावड़ा पुत्र श्री धूलसिंह जी छावड़ा निवासी 10/2, पगनीसपागा इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर, 127 अ० खसरा 9000 स्कुअर फीट (60×150) स्थित गुरुनानक टिम्बर मार्केट धार रोड इन्दौर।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज, भोपाल)

दिनांक : 31 मार्च, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/बी० पी०  
एस०/975—अतः मुझे रा० कु० बाली,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० गृह सम्पत्ति है, तथा जो जबलपुर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
5-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री हर्ष पहेरिया वल्व सुशील कुमार, गोल बाजार,  
जबलपुर (अन्तरक)

2. श्री सत्यपाल दरयानोमल डाटानी, द्वारा सत्य मेडि-  
कल स्टोर तुलाराम चौक, जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति स्थित पार्ट प्लॉट नं० 123, ब्लॉक नं० 101,  
और 102, जोन्सगंज, जबलपुर जो कि सत्य मेडिकल स्टोर  
के अधिभोग में है, रकबा 552 वर्ग फुट।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 31-3-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० व्यू०/बी० पी० एल०/  
77-78/976--प्रतः मुझे रा० के० बाली  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० गृह सम्पत्ति है, तथा जो जबलपुर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 27-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हर्ष पट्टेय्या वल्द सुशील कुमार पट्टेरिया निवासी  
गोल बाजार, जबलपुर (अन्तरक)
2. श्री नटवरलाल तुलसीदास सोनी, निवासी तुलाराम  
चौक जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

गृह सम्पत्ति स्थित प्लॉट नं० 123, ब्लॉक नं०  
101 और 102, जोन्सगंज, जबलपुर, रकबा-550 वर्ग  
फुट।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 31-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/77-78/977—अतः मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मकान सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हर्ष पटेरिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटेरिया निवासी गोल बाजार जबलपुर (अन्तरक)

2. श्री भाग चन्द जीवन लाल जैन निवासी जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान (ग्रह सम्पत्ति) प्लॉट नम्बर, 123 भाग पर स्थित ब्लॉक नम्बर 101 और 102 पर जौन्स गंज जबलपुर एरिया 581 स्क्वैर फीट।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक: 31 मार्च 1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1978

निदेश सं० आई० सी०/ए० सी० क्यू०/बी० वी० एस०/  
77-78/978—अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० गृह सम्पत्ति है, तथा जो रायपुर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 30-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित आस्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री 1. भगवान दास, 2. श्यामदास और 3. मुरली  
धर बन्द कन्हैया लाल बजाज निवासी जवाहर नगर, रायपुर  
और बम्बई (अन्तरक)

2. (1) श्रीमति सजनबाई पत्नि फूल चन्द सेडिया,  
और (2) श्रीमति विमलाबाई पत्नि जेठामल सेडिया,  
निवासी धमतरी जिला रायपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

गृह सम्पत्ति नं० 15/13, 15 प्लॉट नं० 3, 2100  
वर्ग फुट (30'×70') पर बनी हुई, स्थित जवाहर नगर  
वार्ड, रायपुर मय संलग्न भूमि के (और जो उप पंजीयक  
रायपुर द्वारा 30-8-1977 को पुस्तक क्रमांक अ-1 के ग्रंथ  
5759 में क्रमांक 5245 पर पंजीकृत किये दस्तावेज में  
और पूर्व रूप से वर्णित है)।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 31-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 77-78/979—अतः मुझे रा० कु० बाली.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो मौजा विशव-पुरा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण, के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-8-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दौलात राम, (2) श्री दीप चन्द पुत श्री केसूमल सिधी तोपखाना रोवा (अन्तरक)।

2. (1) गीता पटेल पत्नि श्री राजमानी पटेल (2) श्री हर्षवर्द्धन प्रसाद पुत्र श्री बहुकधारी पटेल (3) श्री रवीन्द्र पटेल पुत्र श्री श्याम लाल सभी निवासी कोरीगंवां सहसील मऊगंज जिला रोवां (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि. जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

17.56 एकड़ भूमि पर मौजा शिवपुरवा (पुराना खाता नम्बर 57 और खसरा नम्बर 104 नया नम्बर 95) जिला रोवा साथ में कच्चे मकान पम्प हाउस इत्यादि।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 3 अप्रैल, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल 77-78/  
980—अतः मुझे रा० कु० बाली  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो सुकुतारा में स्थित  
है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवनी में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
20-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति रोमन दीराब कोन्टेक्टर द्वारा हिन्द कार और  
लोरी ड्राईमिंग स्कूल 348 बालाराम विल्डिंग छरनी रोड  
जंगसन ग्रांट रोड बम्बई, 400007 (अन्तरक)

2. श्री शेख रज्जाक पुत्र शेख जुमन ग्राम बोरिया तह०  
लखनादौन जिला सिवनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

26.19 एकड़ भूमि पर खसरा नं० 366 ग्राम सुक-  
तारा (पटवारी हल्का 126) जिला सिवनी साथ में कुआ  
विद्युत पम्प और पेड़।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 3 अप्रैल 1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/  
981—अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो खड़ी पन्डेवार में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पादुरना  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, 9-8-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—56GI/78

1. श्री हरी प्रकाश उर्फ लक्ष्मी नारायण पुत्र श्री पदामी लाल  
पालोवाल अन्तरण के समय निवासी बाडेगांव तह० सौसर जिला  
छिन्दवाडा अब मृतक (अन्तरक)

2. श्रीमति माला पति मधुवनसूत्रे शंकर नागर पदुराना  
480334 जिला छिन्दवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-  
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

3031 हैक्टर भूमि खसरा नम्बर 146/1 मौजा खेडी  
पान्डेवार तहसील सौसर जिला छिन्दवाडा साथ में कुंआ  
विद्युत पम्प 700 सन्तरे के पेड़ 3 आम के पेड़ और दुसरे  
पेड़।

रा० कु० बाली  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 3-4-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अप्रैल 1978

निदेश सं० जे० डी० आर०/42/77-78—अतः मुझे

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान न० सी-5/506 एम० सी० जे०, गुरुनानक पुरा है तथा जो जगाधरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री मदन लाल बैनर्जी पुत्र श्री मखन लाल बैनरजी  
(ii) श्रीमति निहार, बैनर्जी, पति श्री मदन लाल निवासी गुरुनानक पुरा, जगाधरी (अन्तरक)

2. श्री कुलबीर सिंह पुत्र श्री जोगिंद्र सिंह, निवासी हगोकी मकान नं० सी-15/506, एम० सी० जे० गुरुनानक पुरा, जगाधरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० सी०-5/506 एम० सी० जे० गुरुनानक पुरा, जगाधरी (सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2077 तिथि 26-8-77 पर दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 17-4-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 अप्रैल 1978

निर्देश सं० बी० जी० आर०/17/77—78-अतः

मुझे रवींद्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 2, सैक्टर 11-ए, है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और सूर्य रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

गनः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति शकुन्तला देवी, पति श्री हरी चन्द निवासी मकान न० 690 माडल टाउन, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री देव राज वीवान पुत्र श्री ईश्वर दास वीवान 11 गरोदिया रोड, आनन्द पर्वत, नई देहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसे व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में एक जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और रदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 2 सैक्टर 11, फरीदाबाद और जिसका क्षेत्रफल 2083 वर्ग गज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक न० 2583 तिथि 12-8-1977 पर दर्ज है)।

रवींद्र कुमार पठानिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-4-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अप्रैल 1978

निदेश सं० के० एन० एल०/45/77-78—अतः मुझे रवींद्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि तथा बिल्डिंग, कुजपुरा रोड, है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति रमिन्द्र कौर, पति श्री सुखराम सिंह ग्राम मंगलपुर, कुजपुरा रोड करनाल ।

(अन्तरक)

2. अरपना ट्रस्ट मधुबन, करनाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 3578 वर्गगज के प्लॉट पर बना है और जोकि कुजपुरा रोड, करनाल पर स्थित है ।

(सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3829 तिथि 1-9-1977 पर दर्ज है) ।

रवींद्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चंडीगढ़

दिनांक : 17-4-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अप्रैल 1978

निदेश सं० सी० एच डी०/56/77-78—अतः

रवींद्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मकान न० 334, सैक्टर 15-ए, है तथा जो  
चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
चंडीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री पिंडी दास, पुत्र श्री बक्षी गोपाल दा माफत  
राजेंद्र कुमार भसीन मकान न० 126, सैक्टर 16-ए,  
चंडीगढ़ (अन्तरक)

2. (i) श्री जसवत लाल सहगल  
(ii) श्री जसबीर लाल सहगल मकान न 334, सैक्टर  
15-ए चंडीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान न० 334, सैक्टर 15-ए, चंडीगढ़ और जोकि  
2-1/2 मंजिला बिल्डिंग 10 मरला प्लॉट पर बनी है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चंडीगढ़ के कार्यालय में  
रजिस्ट्री क्रमांक न० 647 तिथि 24-9-1977 पर दर्ज  
है)।

रवींद्र कुमार पठानिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चंडीगढ़

तारीख : 17-4-1978  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1978

सं० नं० 5/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2/5-3-42 है, वा 47 है, जो जीरा कम्पाउण्ड में स्थित है (और इससे उपरिद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनीलाल सी० मोदी,  
घर नं० 5-3-42 ता० 47 जीरा कम्पाउण्ड,  
सिकन्दराबाद ।  
(अन्तरक)
2. मास्टर नीरज कुमार पो० मोदी-मैनर पिता के० आर०  
स्त्री प्रामोद चन्द्र मोदी, 5-3-42,  
जीरा कम्पाउण्ड, सिकन्दराबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 5-3-42 ता० 47, जीरा कम्पाउण्ड, सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 3906 वर्ग फीट, "मोदी मेनशन" के नाम से है । रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1447/77 उपरोक्त रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-4-1978  
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 6/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-1-126 और 127 है जो पदमाराउनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्र०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री एल० गनगादर, मुदलीवार,  
127/128, नया बीईगुडा, सिकन्दराबाद  
(अन्तरक)
- (2) मयी डेला जेलापवीराउ, 6-1-191  
परमाराउनगर, सिकन्दराबाद
2. माजी सैटी नरसय्या, पिता वेनकाटेशम,  
मनचेरीयाल, आदीलाबाद, जिला
- (3) एम० चागाती
- (4) सुशीला  
घर नं० 6-1-191 पदमाराउनगर, सिकन्दराबाद  
में।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 14 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-1-126 और 6-1-127 (पुराना) 1/ए),  
पदमाराउनगर, सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1333/77  
उपरजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 12-4-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1978

सं० 7/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी० पी० 6-3-852/3 है, जो अमीरपेट में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अग्रस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती ए० वेदामवल पत्नि गनपत अय्यार,  
6-3-852/2 अमीरपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री टी० नरसीमा राउ, पिता श्रीशाणामूर्ती,  
नामेल का दुकान उसमानगन्द, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

3. श्री ए० के० राजन्ना,  
6-3-853/3, अमीरपेट, हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का सत्ता का भाग, भी घर नं० 6-3-852/3  
अमीरपेट है, हैदराबाद रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 1886/77  
उपरजिस्ट्री कार्यालय, कैंरताबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-4-1978

मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 8/77-78—यतः मुझे, के  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी 4-3-287 है, जो मुल्तान बाजार में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अगस्त, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
म, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

7-56 GI/78

1. श्रीमती राजकुंवर मोनी, पती श्री० डी० सी०  
4-5-269, मुल्तान बाजार, हैदराबाद
2. डाक्टर राधेश्याम अग्रवाल, पिता एस० के० अग्रवाल  
15-8-350, बेगम बाजार, जार, हैदराबाद  
(अन्तरिती)
3. मैसर्स गणेश मैडिकल हाल,  
(2) गणेश.येन न सीस 4-5-887, मुल्ताप बाजार,  
हैदराबाद ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

मलगी नं० 4-5-287 मुल्तान बाजार हैदराबाद रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 2264/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-4-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना;

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 20 अप्रैल 1978

सं० आर० ए० सी० 35/78-79—यतः मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 11-3-547 है, जो मलेपल्ली हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 12-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महमद शरीफ, पिता लाल महमद  
घर नं० 11-3-547, नया मनेपली, हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. श्री महमद जानमीर पिता महमद इसमाइल  
मैसर्स युसुपबीन थैमद नानू और कम्पनी,  
डाकघर नं० 812, जोदा सौदी अरेबीया, ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दूसरा मन जिला घर नं० 11-3-547, मोजमपुरा,  
हैदराबाद, में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2238/77 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 20-4-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं० 642—यतः मुझ, एन० के० नागराजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 439/12 है, जो अल्लवरम में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलापुरम में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
27-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री एम० वेंकटरायपराजु,  
अल्लवरम ।

(अन्तरक)

2. श्री एन० सत्तिराजु,  
अल्लवरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

सरष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
 होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अमलापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-8-77 में  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 3860/77 में निगमित अनुसूची  
सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख 6-4-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 अप्रैल, 1978

सं० 643—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 37-4-11 है, जो काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-8-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

1. (1) एन० तातब्बाय
- (2) एन० नगराजु
- (3) एन० वीरराजु
- (4) एन० रामदाम
- (5) एन० सुरम्मा
- (6) एन० रामदासु पि० तातब्बाय
- (7) एन० रामदासु पि० मंगराज
- (8) एन० सत्यन्नारायण
- (9) एन० सुब्रह्मण्यम
- (10) एन० रामकृष्णा
- (11) एन० साई संकरराव
- (12) पंच मुगेस्वरराव

काकिनाडा अभी बैजाग में रहते हैं।

(अन्तरक)

2. श्री त्रिलोक चन्द

काकिनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 318-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4908/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-4-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,

काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 6 अप्रैल, 1978

सं० 644—यत मुझे, एन० के० नागराजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० 10-14-21 जो रेपल्ले में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अतिधिकारी के कार्यालय रेपल्ले में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-77  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुद्रिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) पि० चिन्नाम्मा  
(2) पि० वैराग्यम रेपल्ले ।

(अन्तरक)

2. श्री बि० पूर्नस्था, मज्जावारी पालेम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

रेपल्ले रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-77 में  
पंजीकृत दस्तावेज, नं० 1896/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, काकीनाडा

तारीख: 6-4-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 अप्रैल, 1978

सं० 645—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 18/32 है, जो एल जो एलमंचली में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एलमंचली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
20-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० जगन्नाधम,  
सोमलिगपालेम ।

(अन्तरक)

2. श्री के० वेंकटरामण  
(2) नूकरतनम  
एलमंचली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एलमंचली रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-8-77  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3485/77 में निगमित अनुसूची में  
सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 6-4-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं० एक्यू एफ नं० 646—यतः मुझे एन० के० नागराजन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 7-1-57 है जो मेन रोड वाल्टेर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय विशाखापट्टनम्  
में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 3-8-77

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) रुक्मिणी बेंन पटेल पत्नी बी० एन० पटेल, साईट  
इन्जोनिवर, द्वारा बी० एस० डागोड एण्ड कं० प्रा० लि०, आशी-  
वीद बिल्डिंग, पोडा (गोवा) 403401

(अन्तरक)

(2) काविडिन्डी सीताराम राजू पुत्र श्री गोनाराजू पेडा  
कालरु, भीमावरम तालुक, वेस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट

(अन्तरिती)

(3) श्री एन० बी० अधिविया डी० नं० 7-1-57 वाल्टेर  
मेन रोड विजाग

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

वैजय रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-77  
में पंजीकृत दस्तावेज, नं० 2309/77 में निगमित अनुसूची  
सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-4-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती रत्नमन्यु पटेल  
पेठडा ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री के० लक्ष्मणमूर्तीराज  
पेडपुल्लेरु

(अन्तरिती)

कार्यान्तर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 अप्रैल, 1978

मठ 647—यतः मुझे, एन०के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-57 है, जो वालटैर में स्थित है (और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैजाग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-8-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-77 में पंजीकृत दस्तावेज, नं० 2310/77 में निर्गमित अनुसूची सम्पत्ति

एन०के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-4-1978  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 6 अप्रैल, 1978

सं० 648—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फैक्टरी है, जो विजयनगरम में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-77 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की नाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवस्थितियों, अर्थात् :—

8—56GI/78

1. श्री सत्यनारायण महे श्वरी,  
विजयनगरम ।

(अन्तरक)

2. पी० सूर्यराव ,  
विजयनगरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अछोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयनगरम, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-8-77 में दस्तावेज नं० 4627/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नाराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-4-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 अप्रैल, 1978

सं० 649—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15-2-56 है, जो विजयनगरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० मोहिदीन,  
विजयनगरम ।

(अन्तरक)

2. श्री एन० महेश्वर राव  
विजयनगरम, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-8-77 में पंजीकृत दस्तावेज, नं० 4628/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-4-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 अप्रैल, 1978

स. 650—यतः मुझे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 216 है, जो नूजवीड, में स्थित है (और इससे अपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नूजवीड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-8-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

1. सि० लिंगप्पा,  
भटलापालेम ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती टि० कुसम कुमारी,  
नूजवीड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

नूजवीड रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3109/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 6-4-1978

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं० 651—यतः मुझे, एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-~~ख~~ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० नं० 216 है, जो नूजवीड में दृक्स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय नूजवीड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :--

1. सि० लिंगप्पा,  
भटलापेनुमरू ।

(अन्तरक)

2. श्री टि० कुसम कुमारी,  
नूजवीड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है ।

अनुसूची

नूजवीड, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-77  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 3110/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के नागराजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 6-4-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 अप्रैल, 1978

सं० 654—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8-5-4 है, जो स्रिकाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय स्रिकाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1977

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वका संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. के० सन्यासि अप्पलनायुडु  
(2) के० श्रीरामुल्लु,  
सीतापुरम ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्यारी बेगम,  
स्रिकाकुलम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्रिकाकुलम, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-77 में पंजीकृत दस्तावेज, न० 2545/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन  
आर० पी० भार्गव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

तारीख 7-4-78  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० 655—यतः मुझे एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बी 5 एण्ड बी-6 है, जो मच्छलीपटनम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मच्छलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-8-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. (1) टि० रामचन्द्राराव
- (2) टि० महलक्ष्मम्मा

मच्छलीपटनम ।

(अन्तरक)

2. उमा केमिकल्स,

- (1) एम० पांडुरंगाराव
- (2) डि० अच्युतरामाराव

मच्छलीपटनम ।

(अन्तरिती)

4. (1) ए० पी० ऐ० ऐ० एस० कार्पोरेशन
- (2) आन्ध्र प्रदेश फाइनेंसियल कारपोरेशन

हैदराबाद ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मच्छलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-8-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3143/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-4-78

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 अप्रैल 1978

सं० 656—यतः मुझे, एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2-10-2 है, जो श्रीनगर, काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकिनाडा, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पि० कृष्णावेणी,  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री के० चिन अन्नाराव,  
काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-8-77 में पंजीकृत दस्तावेज, नं० 5139/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 10-4-78  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

, भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 अप्रैल 1978

सं० 657—यतः मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० नं० 872, 885 एण्ड 888 है, जो पेनुमदम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्षा अधिकारी के कार्यालय पालकोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती के० सुन्दरी,  
पालकोल ।

(अन्तरक)

2. श्री सिद्दिकेडु गनपतिराव  
पालकोल ।

(अन्तस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पालकोल, रजिस्ट्री अधिकारी, से पाक्षिक अंत 15-8-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2108/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 15-4-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 अप्रैल 1978

सं० 658—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14-29-41 है, जो तेनाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती छोडे अन्तपूर्णा  
काकीनाडा ।

(अन्तरक)

2. श्री पि० सत्यदेव  
तेनाली ।

(अन्तरिती)

3. श्रीमती के० रामामणि,  
तेनाली ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. श्रीमती के० रामामणि,  
तेनाली ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

तेनाली रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-77 में पंजीकृत दस्तावेज, नं० 2257/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 15-4-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 15 अप्रैल, 1978

सं० 659—यतः मुझे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14-29-41 है, जो तेनाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिये सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्वियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती आरेणपूडि, वसयपूनी,  
मद्रास-30

(अन्तरक)

2. श्री पि० सत्यदेव  
तेनाली ।

(अन्तरिती)

3. श्रीमती के० रामामणि तेनाली

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती के० रामामणि,  
तेनाली ।

(वह व्यक्ति जिसके धारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तेनाली रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-8-77 में पंजीकृत दस्तावेज, नं० 2256/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 15-4-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 अप्रैल 1978

म० 660—यन मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8-3-28 है, जो विजयनगरम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जा पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-8-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित—

1. श्रीमती बदुरुन्नीसा वेगम,  
वेजाग, ।

(अन्तरक)

2. श्री पी० सकग सूर्यान्तरावण  
विजयनगरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांश सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्री अधिवारी से पार्श्वक अत 31-8-77 में पंजीकृत दस्तावेज, न० 4618/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, काकीनाडा

तारीख 18-4-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 अप्रैल 1978

सं० 661—यतः मुझे, एन० के० नागराजन  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
 और जिसकी सं० 8-3-28 है, जो विजयनगरम में स्थित है  
 (और जिससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयनगरम में भारतीय  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 27-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
 फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य/धास्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख की उपधारा (1) के  
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती बदुल्लनीसा बेगम  
 बैजाग ।

(अन्तरक)

2. श्री पि० संकरा सूर्यनारायण  
 विजयनगरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
 दिया गया है ।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-8-77  
 पंजीकृत दस्तावेज, नं० 4617/77 में निगमित अनसूची  
 सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 18-4-78  
 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 18 अप्रैल 1978

सं० 662—यतः मुझे, एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सेगो मिल है, जो पेद्दापुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेद्दापुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री पि० रामाराव
- (2) श्री जि० वेंकटाराव
- (3) श्री पि० सरस्वति
- (4) श्री अलंका रामाराव
- (5) श्री अलंका माधवराव
- (6) श्री ए० वरलक्ष्मी
- (7) श्री वि० सूर्याराव
- (8) श्री पि० सूर्यनारायण
- (9) श्री पि० तातम्मा
- (10) श्री पि० पापायम्मा
- (11) श्री अवसराल वेंकटायलपतिराव
- (12) श्री वें० सूरायम्मा

वेटलपालेम

(अन्तरक)

2. (1) बि० वि० आर० पि० नि० पदमावति
- (2) बि० रामकृष्ण चौधरी
- (3) बि० पादय्या
- (4) बि० शोकर
- (5) बि० पापाराव

पेद्दापुरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पेद्दापुरम, रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-8-77 में पंजीकृत दस्तावेज, नं० 1742/77 में नियमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

ताराख : 18-4-78

मोहर :

## कर्मचारी चयन आयोग

## विज्ञप्ति

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1978

## अधीनस्थ कार्यालयों के लिए आशुलिपिक परीक्षा, 1978

सं० एफ० 13/5/78-परी० प्र०—कर्मचारी चयन आयोग निम्नलिखित वेतनमानों में आशुलिपिकों की रिक्तियां भरने के लिए दिनांक 27 अगस्त, 1978 को परीक्षाएं आयोजित करेगा :—

- (i) रु० 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800।  
 (ii) रु० 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700।  
 (iii) रु० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

2. रिक्तियां :—इन परीक्षाओं के परिणामों पर देश भर में स्थित भारत सरकार के अधीनस्थ तथा ऐसे अन्य कार्यालयों में, जिनके भर्ती नियम नीचे के पैरों 4 तथा 5 में इन परीक्षाओं के लिए दी गई पात्रता की शर्तों से मिलते हों, विद्यमान रिक्तियां तथा 31-8-79 तक उत्पन्न होने वाली रिक्तियां भरने के लिए आयोग सफल उम्मीदवारों की सिफारिश करेगा। पूर्वोक्त वेतनमानों में भरे जाने के लिए अनुमानित रिक्तियों की संख्या लगभग 400 होगी।

3. रिक्तियों का आरक्षण :—प्रवृत्त आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों, भूतपूर्व सैनिकों तथा शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण किया जायेगा।

4. आयु सीमाएं :—दिनांक 1-1-78 को 18 से 25 वर्ष (2 जनवरी, 1953 से पहले तथा 1-1-1960 के बाद पैदा न हुए हों)। समय-समय पर प्रवृत्त सरकारी आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों, भूतपूर्व सैनिकों तथा कुछ अन्य श्रेणियों के व्यक्तियों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट होगी।

ऐसे विभागीय उम्मीदवारों के लिए भी ऊपरी आयु सीमा में 35 वर्ष तक छूट होगी जहां कहीं उसी मंत्रालय/

विभाग के नियंत्रण के अधीन रिक्तियां मौजूद हों, जहां विभागीय उम्मीदवारों ने कम से कम 3 वर्ष की लगातार सेवा की हो, बशर्ते कि वे ऐसे पदों में काम कर रहे हों, जो उसी लाईन अथवा सम्बद्ध काडर में हों और जहां एक ऐसा सम्बन्ध स्थापित किया जा सके कि उस विभाग में की गई सेवा कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० शा० सं० 4/4/76-स्था० (घ) दिनांक 20-7-1976 के अनुसार उपरोक्त पदों में कार्यभार के कुशल निर्वहन में लाभकारी होगी।

5. शैक्षणिक योग्यताएं :—मैट्रिक अथवा समकक्ष (वे उम्मीदवार, जिन्होंने अभी मैट्रिक अथवा समकक्ष परीक्षा देनी है, या जिनका परिणाम रोक लिया गया हो या घोषित न किया गया हो, पात्र नहीं हैं।

6. शुल्क :—12 रु० (अनुसूचित जातियों/जन जातियों के लिए 3/- रु०)/भूतपूर्व सैनिकों के लिए कोई शुल्क नहीं। श्री लंका/बर्मा से ऐसे प्रत्यावर्तितों के सम्बन्ध में, जो फीस देने की स्थिति में नहीं हैं, शुल्क से छूट दी जा सकती है। शुल्क का भुगतान भारतीय डाक आदेश द्वारा किया जाना चाहिए जो “केवल प्राप्त कर्ता लेखा” शब्दों द्वारा काटे गए हों या बैंक ड्राफ्ट द्वारा, जो नीचे के पैरा 7 की तालिका में बताए अनुसार कर्मचारी चयन आयोग के पक्ष में, केवल स्टेट बैंक आफ इंडिया द्वारा देय हों तथा कम से कम छः मास के लिए वैध हों।

7. क्षेत्र/केन्द्र का चयन तथा वह पता जहां आवेदन भेजने चाहिए :—उम्मीदवारों को केवल एक क्षेत्र तथा उस क्षेत्र के सामने उल्लिखित केवल एक केन्द्र चुनना चाहिए। उम्मीदवार जिस केन्द्र को चुनेगा, उसे अपना आवेदन उसी केन्द्र के सामने कालम 3 में उल्लिखित पते पर ही देना चाहिए। साधारणतया केन्द्रों में किसी परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी और उम्मीदवार नीचे की तालिका के कालम 1 में दिये गये क्षेत्र में आने वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के समूह में स्थित अधीनस्थ कार्यालयों इत्यादि में रिक्तियों में नियुक्ति के पात्र होंगे। परन्तु फिर भी उम्मीदवार द्वारा विकल्पित क्षेत्र के अतिरिक्त किसी अन्य क्षेत्र में स्थित किसी कार्यालय में उसे तैनात करने का अधिकार आयोग के पास सुरक्षित रहेगा।

क्षेत्र	केन्द्र	वह पता जहां आवेदन भेजने चाहिए	वह डाक घर जहां डाक आदेश देय होने चाहिए	स्टेट बैंक आफ इंडिया की वह शाखा जहां बैंक ड्राफ्ट देय होने चाहिए
1	2	3	4	5
1. जम्मू व काश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान तथा दिल्ली और चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र (क्षेत्र 1)	दिल्ली, जयपुर, पटियाला, शिमला तथा श्रीनगर	परीक्षा-नियंत्रक (मुख्यालय), कर्मचारी चयन आयोग, पश्चिम खंड 1, पोस्ट-बैग 2, राम-कृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022	सरोजनी नगर डाक घर, नई दिल्ली	स्थानीय मुख्यालय, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

1	2	3	4	5
2. उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा बिहार (क्षेत्र-2)	इलाहाबाद, भोपाल, और पटना	परीक्षा-नियंत्रक (कें० क्षेत्र), कर्मचारी चयन आयोग, 71/3-बी०, स्टानसे रोड, कमला नगर, इलाहाबाद।	कटचरी डाक घर, इलाहाबाद	स्थानीय मुख्यालय, इलाहाबाद
3. पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आसाम, मनीपुर, त्रिपुरा, नागालैंड, मेघालय, सिक्किम तथा मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र (क्षेत्र-3)	अगरतला, कलकत्ता, कटक और दिसपुर (गोहाटी)	परीक्षा-नियंत्रक (पू० क्षेत्र), कर्मचारी चयन आयोग, प्रीमिसिस नं० 15/1 (पांचवीं मंजिल) चौ-रंगी स्क्वेयर, कलकत्ता।	जी० पी० ओ०, कलकत्ता	स्थानीय मुख्यालय, कलकत्ता प्रदेश और अंडमान तथा
4. गुजरात, महाराष्ट्र तथा गोवा, दमन व दीव और दादरा तथा नागर हवेली संघ राज्य क्षेत्र (क्षेत्र-4)	अहमदाबाद, बम्बई और नागपुर	परीक्षा-नियंत्रक (प० क्षेत्र), कर्मचारी चयन आयोग, कारन्तीलोस बिल्डिंग, (चौथी मंजिल), जी० टी० हस्पताल के सामने (मेट्रो सिनेमा के निकट), बम्बई।	जी० पी० ओ० बम्बई	स्थानीय मुख्यालय, बम्बई
5. आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिल नाडु, केरल तथा पांडिचेरी और लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र (क्षेत्र-5)	बंगलौर, हैदराबाद, मद्रास और त्रिवेन्द्रम	परीक्षा-नियंत्रक (द० क्षेत्र), कर्मचारी चयन आयोग, 150-ए०, एल० एल० ए० बिल्डिंग, (दूसरी मंजिल), अन्ना मलाई, मद्रास।	अन्ना रोड, डाक घर, मद्रास	स्थानीय मुख्यालय, मद्रास

8. परीक्षा की योजना :—परीक्षाओं के लिखित भाग में दो प्रश्न-पत्र होंगे—एक अंग्रेजी भाषा का और दूसरा सामान्य ज्ञान का—और इनके अधिकतम 200 अंक होंगे। प्रश्न, “आवर्जैक्टिव—बहु विकल्प” टाईप के होंगे। जो उम्मीदवार इन पेपरों में आयोग के विवेकानुसार यथा निर्धारित एक न्यूनतम मानक प्राप्त करेंगे, उन के लिए बाद में उन तारीखों को अंग्रेजी/हिन्दी आशुलिपि में परीक्षा ली जाएगी, जिसकी अधिसूचना प्रत्येक पात्र उम्मीदवार को भेजी जाएगी।

अंग्रेजी भाषा का पर्चा एक घंटे का होगा तथा इसके 100 अंक होंगे। अंग्रेजी भाषा के प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे यह पता लगाया जा सके कि उम्मीदवार को अंग्रेजी व्याकरण, शब्द-भंडार, वर्ण-विन्यास, समानार्थक तथा विपरीतार्थक शब्दों का कितना ज्ञान है तथा अंग्रेजी भाषा के सही और गलत प्रयोग को समझने की शक्ति तथा उनमें विवेक करने की योग्यता कितनी है। सामान्य ज्ञान का पर्चा एक घंटे का होगा तथा इसके 100 अंक होंगे।

उम्मीदवारों से निम्नलिखित विषयों के कुछ ज्ञान की अपेक्षा की जाती है :—

भारत का संविधान, पंचवर्षीय योजनाएं, भारतीय इतिहास और संस्कृति, भारत का सामान्य और आर्थिक भूगोल, सामान्य घटनाएं, सामान्य विज्ञान तथा दिन प्रतिदिन नजर आने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी पढ़े लिखे व्यक्ति को होनी चाहिए। उम्मीदवारों के उत्तरों से यह प्रकट होना चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह समझा है। उनके उत्तरों से किसी पाठ्य-पुस्तक के ब्यौरेवार ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती है।

ऐसे सब उम्मीदवारों के लिए दोनों पर्चों के प्रश्न अंग्रेजी में होंगे, जो आशुलिपि की परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प देंगे। उन उम्मीदवारों के लिए सामान्य ज्ञान के पर्चे हिन्दी में होंगे जो आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे।

जो उम्मीदवार निम्नतम वेतनमान, अर्थात् रु० 330-560 के लिए विकल्प देंगे, उनके लिए आशुलिपि की परीक्षा में अंग्रेजी अथवा हिन्दी में दो श्रुतलेख की परीक्षाएं होंगी। एक 80 शब्द प्रति मिनट की गति से पांच मिनट की तथा दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से 5 मिनट की।

जो उम्मीदवार अंग्रेजी में परीक्षा देने का विकल्प करेंगे उन्हें क्रमशः 30 तथा 35 मिनट में लिप्यन्तर करना होगा और जो उम्मीदवार हिन्दी में परीक्षा देने का विकल्प करेंगे उन्हें क्रमशः 35 तथा 40 मिनट में लिप्यन्तर करना होगा।

जो उम्मीदवार उच्चतर वेतनमानों अर्थात् रु० 425-800 तथा रु० 425-700 के लिए विकल्प देंगे उनके लिए आशुलिपि की परीक्षाओं में अंग्रेजी अथवा हिन्दी में 120 शब्द प्रति मिनट की गति से 5 मिनट की एक अतिरिक्त श्रुतलेख परीक्षा होगी। जो उम्मीदवार अंग्रेजी में आशुलिपि की परीक्षा देने का विकल्प करेंगे, उन्हें 40 मिनट में लिप्यन्तर करना होगा तथा जो हिन्दी में आशुलिपि की परीक्षा देने का विकल्प करेंगे, उन्हें 50 मिनट में लिप्यन्तर करना होगा।

प्रत्येक गति पर आशुलिपि की परीक्षा के 300 अंक होंगे।

9. उम्मीदवारों का चयन :—जो उम्मीदवार 120 शब्द प्रति मिनट वाली आशुलिपि की परीक्षा में न्यूनतम अर्हक मानक प्राप्त कर लेंगे, वे सब के सब वरिष्ठता में उन उम्मीदवारों से ऊपर होंगे जो 100 शब्द प्रति मिनट वाली परीक्षा में न्यूनतम अर्हक मानक प्राप्त करेंगे। इस प्रकार जो उम्मीदवार 100 शब्द प्रति मिनट की गति वाली परीक्षा में पास होंगे, वे सब के सब वरिष्ठता में उन उम्मीदवारों से ऊपर होंगे जो 80 शब्द प्रति मिनट की गति वाली परीक्षा में पास होंगे। प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों के आधार पर बनी उसकी योग्यता के क्रम में प्रत्येक समूह के उम्मीदवारों को परस्पर रखा जाएगा।

लेकिन यह भी शर्त है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुसार न भरी गई तो उनके लिए आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिए,

आयोग निर्धारित सामान्य स्तर में रियायत देकर भी अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर परीक्षा में उनके योग्यताक्रम के स्थान पर ध्यान दिए बिना ही, उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के योग्य हों।

जो उम्मीदवार 120 या 100 शब्द प्रति मिनट की गति से आशुलिपि की परीक्षाएं पास करेंगे, उन्हें उच्चतर वेतन मानों वाले पदों के लिए सिफारिश किया जा सकता है बशर्ते कि उनमें रिक्तियां उपलब्ध हों। जो उम्मीदवार केवल 80 शब्द प्रति मिनट की गति से पास करेंगे, वे उच्चतर वेतन मानों वाले पदों के लिए सिफारिश किए जाने के पात्र नहीं होंगे। जो उम्मीदवार आशुलिपिक परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प लेंगे उन्हें अपनी नियुक्ति के बाद अंग्रेजी आशुलिपि और जो उम्मीदवार आशुलिपि की परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प लेंगे उन्हें अपनी नियुक्ति के बाद हिन्दी आशुलिपि सीखनी होगी।

10. आवेदनों का प्रस्तुतिकरण तथा अन्तिम तारीख :—निर्धारित शुल्क तथा उम्मीदवार की हाल ही की पासपोर्ट आकार की फोटो की 3 हस्ताक्षरित प्रतियां सहित, निम्नलिखित सूचना देते हुए, सादे कागज (फुल स्केप साईज) पर एक ओर तथा डबल स्पेस में टाईप किए हुए तथा यथा हस्ताक्षरित आवेदन-पत्र उम्मीदवार द्वारा धुने गए केन्द्र के अनुसार उक्त पैरा 7 के नीचे तालिका में उल्लिखित आयोग के किसी कार्यालय में अन्तिम 29 मई, 1978 तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए। जो आवेदन अन्तिम तारीख के बाद प्राप्त होंगे अथवा जिनके साथ शुल्क या फोटो नहीं होंगे उनको तुरन्त अस्वीकार कर दिया जाएगा। एक बार दिया हुआ शुल्क किसी भी हालत में वापिस नहीं किया जाएगा।

जो उम्मीदवार पहले से सरकारी सेवा में हों, वे अपने आवेदन-पत्र अपने कार्यालयों की मार्फत भेजें।

आशुलिपिक परीक्षा, 1978 के लिए आवेदन-पत्र

उम्मीदवार को यहां पर अपनी फोटो की एक प्रति चिपकानी चाहिए।

1. उम्मीदवार का नाम (मोटे अक्षरों में) . . . . .
2. जन्म-तिथि (ईस्वी सन् में) . . . . .
3. (दिए हुए केन्द्रों में से) उस केन्द्र का नाम बताएं जिसमें आप परीक्षा देना चाहते हैं . . . . .
4. क्या आप :—
  - (क) अनुसूचित जाति/आदिम जाति के सदस्य हैं, . . . . .
  - (ख) भूतपूर्व सैनिक हैं . . . . .
  - (ग) शारीरिक रूप से विकलांग हैं . . . . .
  - (घ) आयु छूट/शुल्क माफी का दावा करते हैं? यदि हां, तो अपनी श्रेणी(यां) बताएं . . . . .

5. वह माध्यम (हिन्दी अथवा अंग्रेजी) बताएं जिसमें आप आशु-  
लिपिक की परीक्षाएं देना चाहते हैं . . . . .

6. क्या आप :—

(क) निम्नतम श्रेणी के लिए विकल्प देना चाहते हैं तथा  
श्रुतलेखन परीक्षा 100 तथा 80 शब्द प्रति मिनट से  
देना चाहते हैं? . . . . .

(ख) उच्चतर श्रेणियों के लिए भी विकल्प देना चाहते हैं  
तथा श्रुत लेखन परीक्षा 120 शब्द प्रति मिनट से देना  
चाहते हैं? . . . . .

(हां या नहीं में उत्तर दें)

7. साथ भेजे गए पोस्टल आर्डर/बैंक ड्राफ्टों की क्रम संख्या और  
उनका मूल्यांक . . . . .

8. पास की हुई परीक्षाएं (बोर्ड/विश्वविद्यालय) . . . . .

9. अपना धर्म बताएं . . . . .

10. पिता का नाम . . . . .

11. (पैरा 7 की तालिका में दिए गए 1 से 5 क्षेत्रों में से)  
उस क्षेत्र की संख्या बताएं, जिसके लिए आप प्रतियोगी बनना  
चाहते हैं? . . . . .

12. आपका डाक पता :— . . . . .

(कृपया अपने नाम और पते की छः टाइप की हुई पंक्तियां  
भी साथ भेजें) . . . . .

13. यदि नियुक्त हों, तो उस सरकारी कार्यालय का नाम व  
पता बताएं जिसमें आप काम कर रहे हों।

(आवेदन पत्र कार्यालय/विभाग के प्रधान की मार्फत  
अन्तिम तारीख से पहले आयोग में पहुंचना चाहिए।)

#### घोषणा

(i) मैंने विज्ञापित पात्रता की शर्तें भली-भांति पढ़ ली हैं और मैं परीक्षा में प्रवेश के लिए इन शर्तों को पूरा करता/  
करती हूँ तथा जहां तक मेरी अधिकतम जानकारी तथा विश्वास है, आवेदन-पत्र में दिए गए सभी कथन सत्य, पूरे  
तथा ठीक हैं।

(ii) मूल दस्तावेज/प्रमाण पत्र मांगे जाने पर प्रस्तुत किए जाएंगे।

स्थान— . . . . .

तिथि— . . . . .

(उम्मीदवार के हस्ताक्षर)

टिप्पणियां :—

(1) जिस लिफाफे में आवेदन-पत्र भेजा जाए, उस पर निम्न प्रकार लिखा होना चाहिए :—

“अधीनस्थ कार्यालयों के लिए आशुलिपिक परीक्षा, 1978 के लिए आवेदन-पत्र”।

(2) उम्मीदवारों को विज्ञप्ति में बताई गई सब शर्तों को पूरा करना चाहिए।

(3) आयु, शैक्षणिक योग्यताओं, आदि के बारे में प्रमाण-पत्रों की सत्यापित प्रतियां आवेदन के साथ भेजनी चाहिए। मूल  
प्रमाण-पत्र नहीं भेजने चाहिए।

(4) परीक्षा में उपस्थित होने के लिए उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा।

(5) आवेदन केवल अंग्रेजी अथवा हिन्दी में ही प्रस्तुत करना चाहिए।

के० पी० माथुर  
कृते परीक्षा नियंत्रक

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा, 1978

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1978

सं० एफ० 1/7/77-प० I (ख)—भारत के राजपत्र के दिनांक 6 मई, 1978 में गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसंधान नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवा-वर्गों में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा (अहमदाबाद, इलाहाबाद, इंदौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोआ), पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, त्रिवेन्द्रम तथा लंदन में 25 सितम्बर, 1978 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश-प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए अनुबंध का पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं/पदों के वर्गों में भर्ती की जानी है वे और विभिन्न सेवाओं/पदों की रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्न प्रकार है :—

## वर्ग—I

- |                               |  |
|-------------------------------|--|
| (i) भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा | 140**  |
| (ii) भारतीय विदेश सेवा        | 10   |
|                               | (अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)। |

## वर्ग—II

- |  |             |
|--|-------------|
| (i) भारतीय पुलिस सेवा  | 50          |
| (ii) दिल्ली तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा ग्रुप 'ख' तथा               | 1           |
|  | (अनारक्षित) |
| (iii) रेल सुरक्षा दल में सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमांडेंट/एडजुटेंट ग्रुप—ख के पद | 8**         |

## वर्ग—III

(क) ग्रुप 'क' की सेवाएं :—

(i) भारतीय डाक-तार लेखा तथा वित्त सेवा

(ii) भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा

12\*\*

(iii) भारतीय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा

50\*\*

(iv) भारतीय रक्षा लेखा सेवा

10

(अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

(v) भारतीय आयकर सेवा (ग्रुप-क)

(vi) भारतीय आयुध कारखाना सेवा, ग्रुप-क (सहायक प्रबन्ध गैर-तकनीकी)

14

(अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3 और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)।

(vii) भारतीय डाक सेवा

(viii) भारतीय नागर लेखा सेवा

4

(अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है)।

(ix) भारतीय रेल लेखा सेवा

12\*\*

(x) भारतीय रेल यातायात सेवा

20\*\*

(xi) रक्षा भूमि तथा छावनी सेवा-ग्रुप-क

2

(अनारक्षित)

## (ख) ग्रुप—'ख' की सेवाएं :—

- (i) केन्द्रीय सचिवालय सेवा,  
अनुभाग अधिकारी ग्रेड  
ग्रुप—ख

30

(अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 5 तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 3 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं) ।

- (ii) भारत विदेश सेवा शाखा  
(ख) सामान्य संवर्ग  
(अनुभाग अधिकारी ग्रेड) का समेकित ग्रेड II तथा III

2

(अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए एक आरक्षित रिक्ति सम्मिलित है) ।

- (iii) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा, सहायक सिविलियन स्टाफ अधिकारी ग्रेड, ग्रुप—ख

24

(अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 4 तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 2 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं) ।

- (iv) सीमा-शुल्क मूल्य निरूपक (एग्जैजर) सेवा, ग्रुप—ख और

15\*\*

- (v) दिल्ली और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा ग्रुप—ख

3

(अनारक्षित)

- (vi) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा (अनुभाग अधिकारी ग्रेड) ग्रुप—'ख'

1

(अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित) ।

\*रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गईं ।

\*\*अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियां यदि कोई होंगी, तो उनकी संख्या सरकार द्वारा निश्चित की जाएगी ।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है ।

यदि केन्द्रीय सरकार के अधीन निम्नलिखित सेवाओं में रिक्तियों की उपलब्धता आयोग को समय पर सूचित कर दी गई तो, वर्ग II/वर्ग III की सेवाओं के लिए परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों पर निम्नलिखित सेवाओं के लिए भी विचार किया जा सकता है :—

- (i) गोवा, दमन तथा दियु सिविल सेवा, ग्रुप—'ख'  
(ii) गोवा, दमन तथा दियु पुलिस सेवा, ग्रुप 'ख'  
(iii) पांडिचेरी सिविल सेवा, ग्रुप—'ख' और  
(iv) पांडिचेरी पुलिस सेवा, ग्रुप—'ख'

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवा/वर्गों में से किसी एक अथवा अधिक के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है । एक बार आवेदन-पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा-वर्गों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता है तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है । नीचे पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा-वर्ग के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है ।

ध्यान दें :— उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वे संबद्ध वर्ग/वर्गों में से कितन-कितन सेवाओं के लिए वरीयता क्रम में उम्मीदवार बनना चाहते हैं । उन्हें सलाह दी जाती है कि वे जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करें ताकि योग्यता क्रम में उनके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके ।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-(110011) को आवेदन करना चाहिए । निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपए देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं । यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-(110011) को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए । मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किये जाएंगे । ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त

किए जा सकते हैं। दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि अपने आवेदन-पत्र भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा, 1978 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा, 1978 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 19 जून, 1978 (19 जून, 1978 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 3 जुलाई, 1978) तक या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 19 जून, 1978 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु० 80.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 20.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की पालियामेंट स्ट्रीट पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051—लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा—आफ 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक

या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे रु० 54.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 14.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त या नीचे पैरा 9 में उपबन्धित व्यवस्था को छोड़ कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. यदि कोई उम्मीदवार, 1977 में ली गई भारतीय प्रशासन सेवा आदि परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो, तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1977 में ली गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1978 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपर्युक्त पैरा 8 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बशर्ते कि उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 जुलाई, 1978 को या उसके पहले प्राप्त हो जाता है।

10. उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंधित उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बी० आर० पटेल,  
सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

#### अनुबन्ध

##### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि

वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती का र्क अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुँचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं, उनको इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वह अपने आवेदन-पत्र को, उसके अन्त में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियाँ निकाल कर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करे कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत् भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र के फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क माफी हेतु दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति (देखिए नोटिस का पैरा 6 और 7 नीचे पैरा 5 और 6)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से 10 सेमी × 7 से 10 सेमी) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ।

(v) जहाँ लागू हो वहाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

(vi) जहाँ लागू हो वहाँ आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (i), (ii), (iii), (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः फरवरी, 1979 में घोषित किए जाएंगे।

जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्र मूल रूप से प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i) से (vi) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे पैरा 4, 5 और 6 में दिए गए हैं :—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर 'सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय' लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना मुराद नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा में लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को

स्टेट बैंक आफ इंडिया पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय के यहां से मैट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट : 1 : जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2 : उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उसके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिसमें इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 8 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट:—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठे हों जिसमें उत्तीर्ण होने पर वे आयोग की इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक योग्यता प्राप्त कर लेंगे किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है और जो उम्मीदवार ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इरादा रखते हैं वे आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पाल नहीं होंगे।

(iv) फोटो की दो प्रतियां—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और अन्य प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3(ii), 3(iii) और 3(iv), में उल्लिखित प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हैं, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिस संबंध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी

करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में पदनामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो वह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\* .....  
..... सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री .....  
..... जो गांव/  
कस्बा\* ..... जिला/  
मंडल\* ..... राज्य/  
संघ राज्य\* क्षेत्र .....  
के की\* निवासी हैं। .....  
..... जाति/जन\* जाति के/  
की\* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950\* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950\* ।

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951\* ।

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951\* ।

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960 पंजाब पुनर्गठन, अधिनियम 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970, उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन), अधिनियम, 1971, और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित] ।

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956\* ।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959 । अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन)

अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962\* ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962\* ।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश), आदेश 1967\* ।

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968\* ।

संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968\* ।

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970\* ।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\* .....  
..... और/या\* उनका परिवार आम तौर से गांव/  
कस्बा\* .....  
.....

जिला/मंडल\* ..... राज्य/  
संघ\* राज्य क्षेत्र ..... में रहते/  
रहती\* हैं।

हस्ताक्षर.....

\*\*पदनाम .....

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान.....

तारीख.....

संघ/\*राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागू न हों, उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां आम तौर से रहते/रहती हैं" शब्दों का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

\*\*जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/ डिप्टी कमिश्नर/ ऐंडीशनल डिप्टी कमिश्नर/ डिप्टी क्लैक्टर/ प्रथम श्रेणी का स्टार्डपेंडरी मैजिस्ट्रेट/ सिटी मैजिस्ट्रेट/ सर्वा-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ तालुक मैजिस्ट्रेट/ एग्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा-असिस्टेंट कमिश्नर।

प्रथम श्रेणी के स्टार्डपेंडरी मैजिस्ट्रेट के औहदे से कम नहीं।

(ii) चीफ प्रेजिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐंडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिसका औहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सर्व-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डिवेलपमेंट अफसर, लक्षद्वीप।

5. (1) :—नियम 7 (ख) (ii) या 7(ख) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का और या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए

प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर भारत आया है :—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के जिन केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट, जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) स्वयं प्रभारित सब डिवीजन का सब डिवीजनल अफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(ii) नियम 7 (ख) (iv) अथवा 7 (ख) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्री लंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iii) नियम 7 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आए हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(iv) नियम 7 (ख) (vii) अथवा 7 (ख) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु-सीमा में और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे, जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(v) नियम 7 (ख) (ix) अथवा 7 (ख) ( ) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को,

जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक पुनः स्थापना, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले

प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट.....  
.....के रैंक नं०.....  
.....श्री.....  
रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और इस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर—

पदनाम—

दिनांक—

\*जो शब्द लागू न हो, उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 7 (ख) (xi) अथवा 7 (ख) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—

—के रैंक नं०—

श्री—

सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर—

पदनाम—

तारीख—

(vi) नियम 7 (ख) (xiii), के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक

प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

(vii) नियम 7 (ग) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी मुहर लगे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें यह लिखा हो कि उम्मीदवार आन्तरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध हुआ था या (ii) जिस उपमंडल मैजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में वह इलाका आता हो उसके प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अन्तर्गत गिरफ्तार या कैद हुआ था और जिसमें वे तारीखें विनिर्दिष्ट हों जिनके बीच वह गिरफ्तार या कैद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि निरोध या गिरफ्तारी या कैद, जैसी भी स्थिति हो, उम्मीदवार के राजनैतिक सम्बन्धों या कार्यकलापों या तत्कालीन प्रतिबंधित संगठनों से उसके सम्बन्ध रखने के अनुसरण में थी।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(i), (ii) और (iv) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस उम्मीदवार के मामले में, पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार, गृह मंत्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेर-बदल करें, और न ही फेर-बदल किए गए/छूटे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों में या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन प्रपत्र का

भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं तथा पिछले वर्षों में ली गई परीक्षाओं के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर "व्यक्तित्व परीक्षण" हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों को दिए गए विस्तृत अंकों से संबद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा होती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा सीधे अथवा नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिजोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग "सी" ब्लॉक, बाबा खड़कसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और कार्यालय, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 का बिक्री काउन्टर और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8, के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी केवल नकद भुगतान करके खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्फिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।

13. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र-व्यवहार:—आवेदन-पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र-व्यवहार सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से किया जाए तथा उसमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया डाक का पता

ध्यान दें:—जिन पत्रों में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

14. पत्रों में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात का व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित

पत्र पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्र पर मिल जाया करे। पत्र में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

### कर्मचारी चयन आयोग

#### विज्ञप्ति

#### ग्रेड 'ग' आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1978

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा श्रेणी ग, भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के सबकांडर की श्रेणी II, सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' तथा रेलवे बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'ग' में अस्थायी रिक्तियों पर नियुक्ति करने हेतु कर्मचारी चयन आयोग, नई दिल्ली द्वारा 14 सितम्बर, 1978 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जायेगी।

2. पात्रता की शर्तें :—उपरिलिखित सेवाओं में से किसी एक का स्थायी अथवा नियमित रूप से लगा हुआ अस्थायी श्रेणी अथवा श्रेणी III आशुलिपिक हो जो निम्नलिखित शर्तें पूरी करता हो :—

(क) सेवा अधि :—1 जनवरी, 1978 को श्रेणी ग अथवा श्रेणी III आशुलिपिक के पद पर तीन वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा से कम न हो।

(ख) आयु :—1 जनवरी, 1978 को 50 वर्ष से अधिक न हो। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों और कुछ अन्य निर्धारित वर्गों के लिये ऊपरी आयु सीमा में छूट होगी।

(ग) आशुलिपि परीक्षा :—सम्बन्धित सेवा के श्रेणी ग अथवा श्रेणी III में पुष्टिकरण अथवा पद पर बने रहने के उद्देश्य के लिए आयोग की आशुलिपि परीक्षा इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख तक अथवा उससे पहले पास कर चुका होना चाहिए जब तक कि उसे ऐसी छूट प्राप्त न हो।

3. शुल्क :—12 00 रुपये (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए 3 00 रुपये)।

4. पूरे विवरण तथा आवेदन पत्र परीक्षा नियंत्रक, कर्मचारी चयन आयोग, पश्चिम खण्ड-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को 1 00 रुपये के रेखित (प्राप्त कर्ता लेखा) भारतीय पोस्टल आर्डर जो कर्मचारी चयन आयोग को सरोजनी नगर डाक घर, नई दिल्ली पर देय हों, भेज कर अथवा आयोग के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान करने प्राप्त कर सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन पत्र आयोग को 12 जून, 1978 (26 जून, 1978 विदेशों में तथा अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिये) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

हीरा लाल अग्रवाल,  
अवर सचिव

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 27th March 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 24th February 1978, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 25th March 1978 to 31st May 1978 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(2).—In continuation of this office notification of even number dated 24th February 1978, the President is pleased to appoint Shri P. S. Sabherwal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 24th March 1978 to 31st May 1978 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(3).—In continuation of this office notification of even number dated 13th February 1978, the President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 12th March 1978 to 31st May 1978 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(4).—In continuation of this office notification of even number dated 24th February 1978, the President is pleased to appoint Shri I. J. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 11-3-78 to 29-4-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(5).—In continuation of this office notification of even number dated 24th February 1978, the President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1st March 1978 to 15th April 1978 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(6).—In continuation of this office notification of even number dated 24th February 1978, the President is pleased to appoint Shri R. Dayal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1st March 1978 to 15th April 1978 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.  
(Incharge of Administration)  
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 31st March 1978

No. P/556-Admn.I.—The President is pleased to allow Shri M. M. Thomas to retire from the post of Adviser, Union Public Service Commission with effect from 31st March 1978 (A.N.) on the expiry of his period of re-employment on that day.

P. N. MUKHERJEE  
Under Secy. (Admn.)  
Union Public Service Commission

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 17th April 1978

No. 87 RCT 28.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathaur, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity with effect from 12th April 1978 to 15th May 1978 or until further orders, whichever is earlier.

SHRI NIVAS  
Under Secy.  
for Central Vigilance Commissioner

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; A.R.

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th April 1978

F. No. A-19036/8/78-Ad.V.—The Director, C.B.I. & I.G.P., S.P.E. hereby appoints Shri Sukhdev Singh an Officer of Jammu and Kashmir State Police who was on deputation as Inspector of Police, C.B.I. at Jammu Branch to officiate as Dy. Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation, S.P.E. with effect from the A.N. of 23rd March 1978 until further orders.

JARNAIL SINGH  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 11th April 1978

No. P.VIII-4/76-Estt-VI.—The President is pleased to appoint on promotion Shri C. P. Maithani, Subedar of CRPF to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

He took over charge of the post in 8th Bn., ORPF w.e.f. 11th February 1978 (FN) on his repatriation from the ITBP.

The 14th April 1978

No. O.II-132/75-Estt.—Consequent on expiry of his term of re-payment in the CRPF, Major Gian Singh (Retd.) relinquished charge of the post of Assistant Commandant, AWS, CRPF Gauhati on the afternoon of 8th November 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-3, the 15th March 1978

No. E-16013(1)/2/78-Pers (CISF)/Pers.IV.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Gopal, an Officer of Indian Police Service Cadre of Uttar Pradesh (1944) as Inspector General, Central Industrial Security Force, with effect from the afternoon of 28th February 1978 vice Shri L. S. Bisht, IPS (UP-1942) who has been superannuated in the afternoon of the same date.

C. CHAKRABARTY  
Director

New Delhi-110024, the 7th April 1978

No. E-32015(1)/5/77-Pers.—The President is pleased to appoint Lt. Col R. S. Randhawa as Commandant CISF Unit BHEL, Hardwar on re-employment basis with effect from the forenoon of the 20th March 1978 until further orders.

The 10th April 1978

No. E-16013(2)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri Ajit Narain IPS (HP-1970), assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit FCI Sindri with effect from the forenoon of 20th March 1978.

R. C. GOPAL  
Inspector-General (CISF)

## DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 28th March 1978

No. S(47)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri K. A. Sivasubramanian, Overseer, to officiate as Assistant Manager (Technical), Government of India Press, Nasik, with effect from 17th February 1978 (F.N.), until further orders.

No. G(33)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Samir Kumar (Gangopadhyay) Ganguli, Overseer, to officiate as Assistant Manager (Technical), Government of India Press, Aligarh, with effect from 10th February 1978 (F.N.), until further orders.

No. B(32)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Tarak Nath Banerjee, Overseer, to officiate as Assistant Manager (Technical), Government of India Press (K.S.R. Unit) Santragachi, Howrah, with effect from 30th January 1978 (F.N.), until further orders.

P. S. PARWANI  
Jt. Director (Admn.)

New Delhi, the 21st April 1978

No. I(1)/AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Manilal Iswary, Overseer, to officiate as Assistant Manager (Technical), Government of India Press, Santragachi, Howrah, with effect from the forenoon of 18th April 1978, until further orders.

P. B. KULKARNI  
Jt. Director (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MADHYA PRADESH

Gwalior, the 10th April 1978

No. Admn.I/17.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh, has been pleased to promote the following permanent/officiating Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates noted against each :—

1. Shri R. K. Bansal (02/228) 1-3-78 forenoon.
2. Shri Jagdish Chandra Saxena (02/232) 31-3-78 forenoon.
3. Shri Jai Prakash Saxena-II (02/233) 1-3-78 forenoon.
4. Shri Anandi Lal Pawar (02/541) 3-3-78 afternoon (against the reserved vacancy).

KRISHNA GOPAL  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

#### MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 13th April 1978

No. 3/78/A/M.—On attaining the age of superannuation (i.e. 58 years plus 2 years extension) Dr. B. B. Kar permanent Asstt. Medical Officer, Ordnance Factory, Kanpur retired w.e.f. 28th February 1978 (AN).

Brig.  
P. N. TRIKHA  
Director of Health Services  
for Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF LABOUR COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the March 1978

No. ADM.12(6)72.—Shri N. P. Singh, Assistant Welfare Administrator is promoted as Welfare Administrator in the pay scale of Rs. 650—1200/- with effect from 1st November 1977 (F/N). He will be on probation for a period of two years.

Shri Singh has been posted under the Mines Welfare Organisation, Dhanbad.

This supersedes notification number Adm. 12(6)77 issued under memo of same number dated 11th January 1978.

H. H. QURAISHY  
Addl. Coal Mines Welfare Commissioner

#### MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF COMMERCE) OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 12th April 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
ESTABLISHMENT

No. 6/126/54-Admn(G)/2943.—On attaining the age of superannuation, Shri M. S. Puri relinquished charge of the post of Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of 31st March 1978.

K. V. SESHADRI  
Chief Controller of Imports and Exports

#### MINISTRY OF INDUSTRY OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta-1, the 7th April 1978

No. Jute(A)/147/58.—In continuation of this office Notification of even number dated 18th January 1978, please read "until further orders" after 11th January 1978 (F/N).

T. S. CHAKRABARTI  
Executive Officer

#### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 22nd March 1978

No. 12(16)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Dr. B. M. Sedalia to voluntarily retire from Government service under F. R. 56 (K) w.e.f. the afternoon of 14th March 1978, on the expiry of his leave preparatory to retirement.

The 31st March 1978

No. 12(60)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri S. Nanjundan, Director (Gr. I) (GAD) in Small Industry Development Organisation to retire voluntarily from Government service under F.R. 56(k) with effect from 3rd November 1977.

V. VENKATRAYULU  
Deputy Director (Admn.)

#### DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 1st April 1978

No. Jute (A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri S. K. Hajra, Inspector (Non-Technical) as Assistant Director (Exports) Group 'B' (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an *ad-hoc* officiating capacity in this office w.e.f. 2nd March 1978 (F/N) to 17th April 1978 (A/N) vice Shri K. P. Das proceeded on leave.

K. K. BANERJEE  
Administrative Officer

#### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 11th April 1978

No. 2661/B/40/59/C/19A.—Shri S. K. Dutta, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same Department.

ment on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 27th February 1978.

No. 2684/B/40/59/19A.—Shri N. C. Roy, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India, retired from Government service on superannuation with effect from 31st October 1977 (Afternoon).

No. 2685/B/2222(AKS)/19A.—Shri A. K. Srivastava, Assistant Geologist, Geological Survey of India has been released from the service in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of the 22nd October 1977 on resignation.

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 10th April 1978

No. A.19012(84)/77-Estt.A.—Shri P. M. Keshwani, permanent Senior Technical Assistant (Statistics) is promoted to officiating in the post of Mineral Officer (Statistics) in this department on regular basis with effect from 13th March 1978 until further orders.

The 11th April 1978

No. A-19011(59)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri K. Satyanarayana, Dy. Ore Dressing Officer to the post of Superintending Officer (Ore Dressing) in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 20th March 1978 until further orders.

L. C. RANDHIR  
Senior Administrative Officer  
Indian Bureau of Mines

#### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 13th March 1978

No. F.20(A-8)1/61-A1(Vol.II).—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri J. L. Bhatnagar, retired from Government service as Asstt. Engineer in the National Archives of India on the afternoon of the 31st October 1977.

No. F.11-9/77-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C., the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri M. S. Khan to the post of Archivist (General) on regular temporary basis w.e.f. 30th March 1978 (A.N.) until further orders.

S. N. PRASAD  
Director of Archives

#### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

##### DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi-110001, the 6th April 1978

No. A-12026/9/78-Est.—Director of Advertising & Visual Publicity appoints the following officiating (*ad-hoc*) Grade

The 3rd April, 1978

No. 5/1/77/Estt. II/1341.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an-ad-hoc basis as Administrative Officer/Asstt. Personnel Officer for the period shown against their names :—

Sr. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
			(F.N.)	(A.N.)
1.	Shri B. K. Swamy, Asstt. Personnel Officer . . . . .	Admn. Officer-II	16-1-78	24-2-78
2.	Shri N. Balakrishnan, Assistant . . . . .	Asstt. Personnel Officer	16-1-78	4-3-78
3.	Shri B. M. Naik, Selection Grade Clerk . . . . .	Asstt. Personnel Officer	3-10-77	18-2-78

P. S. VENKATASUBRAMANIAN,  
Dy. Establishment Officer

III CIS Officers as Assistant Media Executive in the Directorate of Advertising & Visual Publicity on *ad-hoc* basis on usual deputation terms with effect from the forenoon of 30th March 1978, until further orders :—

1. Shri C. Abraham.
2. Shri R. R. Rao

K. S. SRINIVASAN

Senior Copywrite

for Director of Advertising & Visual Publicity

#### MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE DEPARTMENT OF HEALTH

New Delhi, the 12th April 1978

No. A.12011/1/78-H.—The President is pleased to appoint Dr. Sher Singh Sidhu, Associate Professor & Head of the Department of Dental Surgery, All India Institute of Medical Sciences, New Delhi, as Honorary Dental Adviser to the Government of India, in addition to his own duties, with immediate effect for a period of three years from the date of such appointment.

S. C. KUMAR  
Dy. Secy.

#### MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

##### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 10th April 1978

No. F.4-13(31)/75-A.III.—Consequent on his selection to the post of Assistant Director (Oils & Fats) in this Directorate, Shri K. S. Kamath handed over charge of the post of Junior Scientific Officer at Central Agmark Laboratory, Nagpur, in the forenoon of 20th March 1978.

V. P. CHAWLA  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 20th March 1978

Ref. No. 5/1/78/Estt.II/1151.—The Controller of Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri F. D'Souza, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad-hoc* basis in this Research Centre with effect from 3rd January 1978 (FN) to 7th March 1978 (AN) vice Shri A. S. Burkule, Assistant Accounts Officer who was deputed for training course (COBOL) at New Delhi.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 5th April 1978

No. PPED/3(262)/76-Adm./4053.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint Shri H. H. Shah, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk of this Division, as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1978 to the afternoon of May 4, 1978 in a leave vacancy.

B. V. THATTE  
Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 12th April 1978

No. RAPP/Recdt./7(8)/78/S/323.—On transfer from the Eastern Circle, Atomic Mineral Division, Shri Kolankara Sankaran Kutty, a permanent Upper Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Personnel Officer in Atomic Mineral Division is appointed as an officer in the Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-960/-) in the Rajasthan Atomic Power Project in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8th March, 1978 until further orders.

GOPAL SINGH  
Administrative Officer (E)  
for Chief Project Engineer

DEPARTMENT OF SPACE  
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION  
SHAR CENTRE

Sriharikota-524124, the 22nd March 1978

No. SCF : P.GA:ESTT : 1.72.—The Director is pleased to appoint on promotion Shri P. Surya Prakasa Rao to the post of Engineer SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st October, 1977 until further orders.

No. S.C.F. : P. & G.A. : ESTT. 1.72.—The Director is pleased to appoint the following officials to the post of Engineer-S.B. in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders:—

S. No.	Name	Designation	Date of appointment
	S/Shri		
1.	D. Rama Murthy	Engineer-S.B.	7-2-1978
2.	R. Radhakrishnan	Engineer-S.B.	27-2-1978
3.	Subir Mukherjee	Engineer-S.B.	6-3-1978
4.	Mohammed Arifuddin	Engineer-S.B.	18-3-1978

R. GOPALARATNAM,  
Head, Personnel & General Administration  
for Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 13th April 1978

No. E(I)00953.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. V. Sharma as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the afternoon of 14th March, 1978 and until further orders.

Shri R. V. Sharma is posted to Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I) 05889.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri Krishna Murari Singh as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the afternoon of 13th January, 1978 and further orders.

Shri Singh is posted to Meteorological Centre, Patna under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I) 07108.—Consequent on his selection for appointment as a Communication Officer (Customs) in the Directorate of Communication, Ministry of Finance (Department of Revenue), Shri G. P. Sharma, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur, was relieved of his duties at Nagpur on the forenoon of 8-3-1978.

The 14th April 1978

No. E(1)07792.—Consequent on his selection for appointment as a Senior Scientific Officer Grade II in the Indian Institute of Technology Delhi, New Delhi, Dr. S. K. Dube, officiating Assistant Meteorologist, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, was relieved of his duties at New Delhi, on the forenoon of 8th March, 1978.

G. R. GUPTA  
Meteorologist (Establishment)  
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF  
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th April 1978

No. A.32013/1/78-EA.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Joshi, Aerodrome Officer to the grade of Senior Aerodrome Officer at Delhi Airport, Palam, on purely *ad-hoc* basis for the period from 31-3-1978 AN to 31-5-1978 *vice* Shri P. K. Biswas, Senior Aerodrome Officer, deputed for Hindi training.

V. V. JOHRI  
Asstt. Director of Administration

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE  
AND CUSTOMS

Patna, the 15th April 1978

C. No. II(7)1-ET/77.—Sri Jai Narain Singh, Junior Accounts Officer of Allahabad Collectorate appointed purely on *ad-hoc* basis as Accounts Officer under the Chief Controller of Accounts, Central Board of Excise & Customs, New Delhi's order F. No. Admn./1(1)10/77-78/2714, dated 3-2-1978 in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- p.m. has assumed charge as Pay & Accounts Officer, Central Excise, Patna in the forenoon on 27-2-1978.

A. M. SINHA  
Collector  
Central Excise, Patna

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT  
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 14th April 1978

CORRIGENDUM

No. 11-TR(13)/77.—The figures and words '1st December 1977 (forenoon) appearing in the fifth line of the Notification of even number dated 17/2/1978, may be read as '31st December, 1977 (afternoon).

K. S. SIDHU  
eral of Shipping

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY  
WEST BLOCK VIII WING NO. III

New Delhi-110022, the 12th April 1978

No. 6/578-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned Technical Assistants to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity w.e.f. the dates shown against their names until further orders :—

1. Shri R. N. Mukherjee—9-2-1978.
2. Shri B. Srinivasan—6-3-1978.
3. Shri Jaudat Ali—13-2-1978.
4. Shri A. Bosc—9-2-1978.

S. BISWAS  
Under Secy.

MINISTRY OF RAILWAY

RESEARCH DESIGNS & STANDARDS ORGANISATION

Lucknow-11, the 3rd April 1978

No. EIJ/ES/CFM/O/Pub&Doc.—Shri H. N. Srivastava, is confirmed in the permanent Class II post of Asstt. Doc. Officer (Pub.) in the Pub. & Doc. Wing of the Research Designs and Standards Organisation w.e.f. 19-2-1970.

B. MOHANTY  
Director General

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION  
(DEPARTMENT OF SUPPLY)

Calcutta-27, the 10th April 1978

No. G-65/B(CON).—The undersigned hereby appoints Shri Pijush Kanti Maity, Scientific Assistant (Chemical) in the National Test House, Calcutta to officiate as Scientific Officer (Chemical) in the same office with effect from 16-2-78 (F/N) on an *ad hoc* basis until further orders.

B. C. BISWAS  
Joint Director

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Nalanda Human Limited*

Kanpur, the 7th April 1978

No. 4345/4178 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Nalanda Human Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN  
Registrar of Companies,  
Kanpur, U.P.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Gorakhpur Card Board & Allied Industries Private Limited*

Kanpur, the 7th April 1978

No. 4346/3912-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Gorakhpur Card Board and Allied Industries Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN  
Registrar of Companies,  
Kanpur, U.P.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Swadesh and Company Private Limited*

Kanpur, the 7th April 1978

No. 4347/2205-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Swadesh and Company Pvt Limited has been struck off and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN  
Registrar of Companies,

*Notice Under Section 445(2) of the Companies Act, 1956  
In the matter of M/s. Current Transport and Finance  
Pvt. Ltd.*

Delhi, the 7th April 1978

No. Co. Lign/4282/6612.—By an order dated the 9-12-1977 of the Hon'ble High Court of Delhi M/S Current Transport and Finance Private Limited has been ordered to be wound up.

R. K. ARORA  
Asstt. Registrar of Companies,  
Delhi & Haryana.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Sattanathar Transports Private Limited*

Madras-6, the 10th April 1978

No. DN/4393/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 (3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sattanathar Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

CORRIGENDUM

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Karamadai Transports Private Limited*

Madras, the 7th April 1978

No. 5157/560(3)/76.—The name of the company may please be read as "Karamadaj Transports Private Limited" instead of "Karanadai Transports Limited" appearing in the Notification No. DN/5157/560(3)/76 published in the Gazette of India, dated 23-10-76 Part III-Section I at the page No 9209.

C. ACHUTHAN  
Asstt. Registrar of Companies,  
Tamil Nadu

CORRIGENDUM

*In the matter of the Companies Act, 1956*

&

*In the matter of Nellai Venus Limited (In liquidation)*

Madras, the 12th April 1978

No. 1919/Lign/560(5)/75.—The name and designation of the signatory to the notification published at Page 1031 Part III Section 1 of the Gazette of India dated 25-2-1978 may be read as "P. ANNAPURNA, Additional Registrar of Companies" instead of as published.

Y. SATHYANARAYANA  
Asst. Registrar of Companies

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Standard Business Syndicate Private Limited*

Calcutta, the 13th April 1978

No. 12608/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Standard Business Syndicate Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH

Asst. Registrar of Companies,  
West Bengal

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Acquisition Range-I, Ahmedabad

Ahmedabad, the 18th April 1978

CORRIGENDUM

No. Acq. 23-1-1323/(626)/1-1/77-78.—At page 1657 of Gazette of India, Part-III Section I of 25th March, 1978, for the words "Smt. Shantaben Deepakbhai Shah, Kalyan Society, Mithakhali, Ahmedabad" occurring against Col. 3 (i.e. person in occupation of property) read as "Smt. Shardaben Deepakbhai Shah, Kalyan Society, Mithakhali, Ahmedabad".

2. The Hindi version would be as under :—

S. C. PARIKH

I.A.C., Acq. Range-I,  
Ahmedabad.

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th April 1978

Ref. No. AP-1773.—Whereas, I, B.S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Nakodar Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Jullundur on November, 1977 Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

12—56GI/78

(1) Shri Jagdish Chand Mahendru  
S/o Shri Sudershan Lal Mahendru,  
Shri Anil Kumar  
S/o Shri Vishwa Mitter Mahendru and  
Smt. Nirmla Devi  
W/o Shri Vishwa Mitter Mahendru self and  
G. A. Shri Rajinder Kumar  
S/o Shri Vishwa Mitter Mahendru,  
Jain House, G.T. Road,  
Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Kumar  
S/o Shri Sohan Lal  
S/o Shri Malawa Ram,  
WG-418, Nakodar Road,  
Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

- (4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4776 of November, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chhotabhai Jethabhai Patel,  
Padma, Tal. Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ashok Coop. Housing Society Ltd.,  
Fateh Ganj, Sadar Bazar, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th April 1978

Ref. No. P.R. No. 570 Acq.23-977/6-2/77-78.—Whereas,  
I, D. C. GOEL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingS. No. 153 (Paiki) admeasuring 12009 sq. ft.  
situated at Jetalpur, Baroda,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Baroda on August, 1977for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 153 (Paiki) admeasuring 12009  
sq. ft situated at Jetalpur, Tal. Baroda as mentioned in the  
sale-deed registered at No. 2270 in the month of August,  
1977 by registering Officer, Baroda.D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :

Date : 5-4-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Desaibhai Lallubhai Patel;  
Tulshipura, Tal. Savli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ashok Coop. Housing Society Ltd.,  
Fateh Ganj, Sadar Bazar, Baroda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th April 1978

Ref. No. P.R. No. 571 Acq.23-977/6-2/77-78.—Whereas,  
I, D. C. GOEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

S. No. 153 (Paiki) admeasuring 11781 sq. ft.  
situated at Jetalpur, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Baroda on August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act, in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 153 (Paiki) admeasuring 11781  
sq. ft. situated at Jetalpur Tal. Baroda as mentioned in Sale-  
deed registered at No. 2268 in the month of August, 1977  
by registering Officer, Baroda.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 5-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vithalbhai Ishverbhai Patel,  
Padma, Tal. Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ashok Coop. Housing Society Ltd.,  
Fateh Ganj, Sadar Bazar, Baroda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th April 1978

Ref. No. P.R. No. 572 Acq. 23-977/6-2/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 153 (Paiki) admeasuring 12446 sq. ft. situated at Jetalpur, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baroda on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 153 (Paiki) admeasuring 12446 sq. ft. situated at Jetalpur Tal. Baroda as mentioned in Sale deed registered at No. 2269 in the month of August, 1977 by registering Officer, Baroda.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 5-4-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ranchhodbhai Dwarkadas Patel;  
Simali, Tal. Sinor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Coop. Housing Society Ltd.,  
Fateh Ganj, Sadar Bazar, Baroda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th April 1978

Ref. No. P.R. No. 573 Acq. 23-977/6-2/77-78.—Whereas,  
I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
S. No. 153 (Paiki) admeasuring 11868 sq. ft.

situated at Jetalpur, Baroda,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
Baroda on August, 1977

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Open land bearing S. No. 153 (Paiki) admeasuring 11868  
sq. ft. situated at Jetalpur Tal. Baroda, as mentioned in the  
sale deed registered at No. 2271 in the month of August,  
1977 by registering Officer, Baroda.

D. C. GOEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Date : 5-4-1978.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th April 1978

Ref. No. P.R. No. 574 Acq. 23-977/6-2/77-78.—Whereas,  
I, D. C. GOEL,being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.S. No. 153 (Paiki) admeasuring 12880 sq. ft.  
situated at Jetalpur, Baroda,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Baroda on August, 1977for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

(1) Shri Chhotabhai Mathurbhai Patel,  
Rania, Tal. Savli.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Coop. Housing Society Ltd.,  
Fateh Ganj, Sadar Bazar, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 153 (Paiki) admeasuring 12880  
sq. ft. situated at Jetalpur Tal. Baroda, as mentioned in the  
sale-deed registered at No. 2272 in the month of August 1977  
by registering Officer, Baroda.

D. C. GOEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 5-4-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th April 1978

Ref. No. Acq.23-I-1381(647)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Jagnath Plot Street No. 4, situated at Jagnath Street No. 4, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Damodardas Raghunathbhai Desai, through his power of Attorney Holder, Shri Dhirajlal Harjivanbhai Desai, Rughnath Building, Kavi Nanalal Marg, Rajkot.

(Transferor)

- (2) M/s R. K. and Co., through partners—Kishorekumar Jivanlal Dodiya & others, 3-14, Bhaktinagar Station, Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A residential building standing on land admeasuring 316-6-0-Sq. yds. bearing Jagnath Plot Street No. 4, situated at Jaganath Street No. 4, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2104 dated 22-8-1977.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-4-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th April 1978

Ref. No. Acq.23-I-1380(648)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. .... situated at Behind Harishchandra Talkies, known as Fatima Cottage, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 31-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sadikali Ismailji and  
2. Shri Najmuddin Ismailji,  
through his power of attorney holder,  
Shri Abbasali Ismailji,  
Behind Harishchandra Talkies,  
Rajkot.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mohamedhussain Habibhai,  
2. Shri Mohedhanif Habibhai,  
Mochi Bazar, Main Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building known as 'Fatima Cottage', standing on land admeasuring 222-1-33 yds. situated behind Harishchandra Talkies, Mochi Bazar, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 2196 dated 31-8-1977, registered by the Registering Officer at Rajkot.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-4-1978  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th April 1978

Ref. No. Acq.23-I-1382(649)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sardarnagar No. 11 situated at Sardar nagar Sheri No. 11, Opp. : Estorn Cinema, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 23-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Shamji Haribhai Kotak,  
Karanpara Sheri No. 2, Vrajniwas,  
Rajkot

(Transferor)

(2) Chandrikaben Kokaldas Bhayani,  
Sardar Nagar, Opp : Estorn Cinema,  
Sheri No. 11, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A residential building, standing on land admeasuring 150 sq yds. bearing Sardar Nagar Plot situated at Sardar Nagar Sheri No. II, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2123 dated 23-8-1977, registering officer at Rajkot.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 10-4-1978  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th April 1978

Ref. No. Acq.23-I-1411(650)/16-2/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing Building known as Victory Cinema situated at M.G. Road, Gondal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bombay on 29-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Administrator General of Maharashtra State,  
P.N.D. Building, High Court,  
Bombay-1.

(Transferor)

(2) Gondal Theatres Pvt. Ltd,  
132, Near Stock Exchange Building,  
5th Floor, Apollo Street,  
Fort, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, will in 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A building known as Victory Cinema standing on land admeasuring 778 sq. yds. situated at M.G. Road, Gondal and as fully described in the sale-deed registered vide RMO. R-1599-33 dated 29-8-1977 by Registering Officer, Bombay.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date : 18-4-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1978

Ref. No. SML/37/77-78/.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land bearing Khasra No. 359/c/h Talbot House Estate, situated at Simla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- S/Shri & Shrimati
- (1) 1. Ram Parkash Kapoor  
Son of Shri Late Raj-Sahib Lala Ram Jawaya,  
Kapoor R/o C-415, Wefence Colony,  
New Delhi.
  2. Shri Ram Sarup Kapoor  
S/o Shri Late Gobind Sarup Kapoor  
R/o G-71, Nizam Ud-din West,  
New Delhi.
  3. Shri Ravinder Kapoor  
S/o Sh. Late Gobind Sarup Kapoor  
R/o G-71, Nizam Ud-din West,  
New Delhi.
  4. Smt. Shyam Kumari Kapoor  
Wd/o Late Govind Sarup Kapoor,  
R/o A-460, Defence Colony,  
New Delhi.
  5. Shri Amar Kumar Kapoor
  6. Shri Ram Kumar Kapoor  
Sons of late Shri Guranditta Kapoor  
R/o 56 Golf Links, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Hanwant Das
2. Jaswant Devi  
C/o Simla Whole Sale Mart, Cart Road,  
Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing Khasra No. 359/c/h Talbot House Estate situated at Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 537 of October, 1977 of the Registering Officer, Simla.)

NATHU RAM

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 18-4-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1978

Ref. No. LDH/331/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. B-XIII-1387 measuring 214 sq. yds, situated at Mohalla Sukh Ram Nagar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vidya Parkash S/o Pt Atma Ram  
Resident of House No. 1022 Sector 8-C,  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Ravi Dutt s/o Shri Des Raj,  
Resident of H. No. 1341, Sukh Ram Nagar,  
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House No. B-XIII-1387 measuring 214 sq. yds. situated in Mohalla Sukh Ram Nagar, Ludhiana.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2525 of November, 1977 of the Registering Authority Ludhiana).

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 18-4-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1978

Ref. No. LDH/178/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A House No. B-XIII-1387 measuring 214 sq yds. situated at Sukh Ram Nagar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Vidya Parkash son of Shri Atma Ram  
Resident of House No. 1002 Sector 8-C,  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Kumar son of Shri Des Raj  
Resident of House No. 1341, Sukh Ram Nagar,  
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House No. B-XIII 1387 measuring 214 sq. yds. situated in Mohalla Sukh Ram Nagar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1612 of August, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 18-4-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1978

Ref. No. LDH/176/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 113-L, situated at Model Town, Ludhiana, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- S/Shri
- (1) 1. Partap Singh  
2. Harbhajan Singh  
3. Darshan Singh  
Sons of Shri Sunder Singh  
Residents of 115-L, Model Town,  
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Smt. Satpal Kaur w/o S. Gian Singh  
Resident of 113-R, Model Town,  
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 113-L, measuring 382 sq. yds. situated in Model Town, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1607 of August, 1977 of the Registering Authority, Ludhiana.)

NATHU RAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 18-4-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th April 1978

Ref. No. L.C. 183/78-79.—Whereas, I, C. P. A. VASU-  
DEVANbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Calicut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Kozhikode on 21-8-1977for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- S/Shri  
(1) 1. Mammu (by Ahmed)  
2. P. K. Kalandar  
3. P. K. Ahamed  
4. P. K. Suharabi  
5. P. K. Hasim  
6. P. K. Jamsela  
7. P. K. Kadisu.  
8. P. K. Basheer.

(Transferor)

- S/Shri  
(2) 1. Subaida  
2. Mariambi  
3. Muhamed Ali  
4. Rasheed  
5. Ashraf  
6. Khalid  
7. Haris

(Minors—through Subaida)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

70 cents of land with building in Sy. No. 47/3 (R.S.  
6-6-135) of Kalathi Kunnu amsom desom in Calicut.

C. P. A. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 13-4-1978

Seal:

## FORM ITNS

(1) M/s. Raj Mohan Cashews (P) Ltd;  
(by Sri Copinathan Nair).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Yesudasa Nadar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 17th April 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. L.C. 184/78-79.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Quilon village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 17-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

16.5 cents of land with buildings in Sy. Nos. 866/1, 4, 3, 9 of Quilon village.

C. P. A. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Navinchand S/o Mohanlal Mahajan, R/o Khetia.

(Transferor)

(2) Shri Arvind S/o Shri Mohanlal Mahajan, R/o Khetia.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/965.—Whereas, I R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Khetia, Dist West Nimar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pansemal on 10-8-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
14—56/G178

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

10.56 Acre land at Khasra Nos. 464/2, 476/1, 476/2, 476/3, situated in village Khetia, Distt. West Nimar.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-3-1978

Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/966.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bunglow situated at Neemuch Cantt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on 4-8-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Daulatbai W/o Dorabux Patel, R/o Neemuch Cantt., Neemuch.

(Transferor)

- (2) S/Shri 1. Mohanlal; 2. Jinendrakumar; 3. Ashok-kumar, (all sons of Shri Radhakrishnanji), R/o Neemuch Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bunglow No. 32(2) (Part), situated at Neemuch Cantt.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/967.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. Land situated at Village Tidokhar & Village Jaythap, Distt. Morena, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Morena on 9-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) 1. Smt. Anandi Wd/o Kudheri; 2. Sewaram; 3. Ramkumar S/o Kudheri, 4. Smt. Kashibai w/o Shri Shanker Brahmin, (all r/o of Tidokhar, Teh&Distt. Morena), 5. Smt. Ramdehi R/o Khidora, Pargana Jora, Teh. & Distt. Morena.

(Transferor)

- (2) 1. Anta, 2. Tejsingh; 3. Murli, 4. Mangla (All sons of Shri Shyamlal) & 5. Mula S/o Kewla; All R/o Village Shekhpur, Pargana Sabalgarh, Distt. Morena.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms\* and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 Bighas 10 Biswa at nine different Khasra Nos. of village Tidokhar, Pargana Jora, Distt. Morena; and 32 Bigha 16 Biswas agricultural land at seven different Khasra Nos. of village Jaythap; more fully described in the Instrument of Transfer, registered at No. 1453, by the Sub-Registrar, Morena, on 9-8-1977.

R. K. BALI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Skylines, 9/1 Maharani Road, Indore-1.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Shangrila Apartments Co-operative Housing  
Society Limited, 13/2 M.G. Road, Indore (present).  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/968.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 31-8-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the land or ground admeasuring 15,000 Sq. ft. (75 ft. × 200 ft.) situated at Southern part of 13/2 M.G. Road, Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-3-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Skylines, 9/1 Maharani Road, Indore-1.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Shanguila Apartments, Co-operative Housing Society Limited, 13/2 M.G. Road, Indore (present).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/969.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-8-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid person with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the land admeasuring 15,000 Sq. ft. (75' × 200') situated at Northern part of 13/2, M. G. Road, Indore.

R. K. BALI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shiv Shakti Nagar Grah Nirman Samiti Maryadit,  
75, Khajuri Bazar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/970.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-8-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) Wealth-tax Act, 1957 (2)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Kantilal Hazarilal Jain, 44, Nalia Bakhal, Indore, 2, Shri Anilkumar Babubhai 200 M.T. Cloth Market, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 6, at 25, Yeshwant Niwas Road, Indore, admeasuring 6300 Sq. ft.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shiv Shakti Nagar Grah Nirman Sahakari Samiti  
Maryadit, 75, Khajuri Bazar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Keshrimal Motilal, 31, Malharganj, Indore,  
2, Shri Anandilal Sagarmal, 129, M.T. Cloth Market,  
Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/971.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 22-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4, admeasuring 6300 Sq. ft. (75'×84'), situated at 25, Yeshwant Niwas Road, Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shiv Shakti Grah Nirman Sahakari Samiti Maryadit,  
75, Khajuri Bazar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mithalal Mehtabchand Raka, 4/7 North Raj  
Mohalla, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31st March 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/972.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-8-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 3, admeasuring 10050 Sq. ft. (75'×134'), situated at 25, Yeshwant Niwas Road, Indore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. K. BALI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-3-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shiv Shakti Nagar Grah Nirman Sahakari Samiti Maryadit, 75 Khajuri Bazar, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Sampatkumar; 2. Shri Chandraprakash (both sons of—Shri Srinivasdas), R/o Kasera Bazar, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 31st March 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/973.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-8-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

15—56GI/78

## THE SCHEDULE

Plot No. 1, admeasuring 10050 Sq. Ft. (75'×134') situated at 25, Yeshwant Niwas Road, Indore.

R. K. BALI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-3-197

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dilipsingh S/o Darshansingh Juneja, R/o 98, Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Jaswantsingh Chabra, S/o Dhulsinghji Chabra, R/o 10/2, Pagnispaga, Indore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st March 1978

Ref No. IAC/ACQ/BPL/77-78/974.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Indore on 7-9-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 127-A admeasuring 9000 Sq. ft. (60'×150'), situated at Guru Nanak Timber Market, Dhar Road, Indore.

R. K. BALI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date 31-3-1978.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shriharsh Pateria S/o Sushilkumar, R/o Gol Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satyapal Daryanomal Datani, C/o Satya Medical Store, Tularam Chowk, Jabalpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 31st March 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/975.—Whereas, I, R. K. BALL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 5-8-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

House Property situated on Part No. 123, Block Nos. 101 and 102, at Jones Ganj, Jabalpur and occupied by M/s. Satya Medical Stores, area 552 sq. ft.

R. K. BALL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 31-3-1978.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shriharash Pateria S/o Shri Sushil Kumar  
Pateria, R/o Gol Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Natwarlal Tulsidas Soni, R/o Tularam Chowk,  
Jabalpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 31st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/1976.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 27-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

House Property situated on Part Plot No. 123, Block Nos. 101 and 102, at Jones Ganj, Jabalpur. Area 550 Sq. ft.

R. K. BALI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-3-1978.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shriharsh Pateria S/o Shri Sushikumar Pateria, R/o Gol Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhagchand Jeewanlal Jain, R/o Jabalpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/977.—Whereas, I,

R. K. BALI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property situated at Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 27-8-1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated on Part Plot No. 123, Block Nos. 101 and 102, at Jones Ganj, Jabalpur, Area 581 (Sq. ft.).

R. K. BALI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date 31-3-1978.

Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 31st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/978.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House Property situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 30-8-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri I. Shri Bhagwandas,  
(2) Shri Shyamdas and  
(3) Shri Murlidhar, S/o Kanhaiyalal Bajaj, R/o. Jawahar Nagar, Raipur and Bombay.  
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Sajanbai W/o Phoolchand Sethia, and  
2. Smt. Vimlabai W/o Jethmal Sethia, R/o Dhamtari, Dist. Raipur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Nos. 15/93, 94, Plot No. 3, constructed on 2100 Sq. ft. (30'×70') area situated at Jawahar Nagar, Ward, Raipur alongwith land appurtenant thereto (and more fully described in document registered) by the Sub-Registrar Raipur at No. 5245 in Volume No. 5759 of Book No. A-1, on 30-8-1977).

R. K. BALI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date 31-3-1978.

Seal

## FORM ITNS—

(1) 1. Shri Daulatram and 2. Shri Deepchand, sons of Kesumal Sindhi, Topkhana, Rewa.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Gita Patel W/o Rajmani Patel 2. Shri Harsh Wardhan Prasad s/o Batukdhari Patel; 3. Shri Ravindra Patel s/o Shyamlal, all residents of Korigavan, Teh. Mauganj, Dist. Rewa.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 3rd April 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/979.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Mauja Shivpurwa, Distt. Rewa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewa on 9-8-1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

19.56 Acre land at Mauja Shivpurwa (Old Khata No. 57 & Khasra No. 104, New No. 95), Distt. Rewa alongwith Kutchra houses, pump house etc. thereon.

R. K. BALI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-4-1978.

Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 31st March 1978

Ref No. IAC/ACQ/BPL/77-78/980.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri Land situated at Village Sukhtara, Distt. Seoni, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Seoni on 20-8-1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Roshan Dorab Contractor, C/o Hind Car & Lorry Driving School, 348, Balaram Building, Charni Road Junction, Grant Road, Bombay-400 007.

(Transferors)

(2) Shri Sheikh Razzak S/o Sheikh Jumman, village Boria, Tehsil Lakhnadaun, Distt. Seoni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

26.19 Acre land at Khasra No. 366, Village Sukhtara (Patwari Halka 126), Distt. Seoni, along with well, electric pump and trees thereon.

R. K. BALI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date 31-3-1978.

Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX.  
ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 3rd April 1978

Ref No. IAC/ACQ/BPL/77-78/981.—Whereas, I,  
R. K. BALI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
Agri. Land situated at Khedi Pandewar, Teh. Sausar Distt.  
Chhindwara.  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Pandhurna on 9-8-1977  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
1961 (43 of 1961) in respect of any income arising  
from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—  
16—56GI/78

(1) Shri Hari Prakash alias Laxmi Narain s/o  
Chhadamilal Paliwal, resident at the time of trans-  
fer of village Badegaon, Teh. Sausar, Distt.  
Chhindwara, now-deceased.

(Transferor)

(2) Smt. Mala w/o Madhu Vansutre, Shanker Nagar,  
Pandhurna 480 334, Distt. Chhindwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

### THE SCHEDULE

2-039 hect. land at Khasra No. 146/1, Mauja Khedi,  
Pandewar, Tehsil Sausar, Distt. Chhindwara, alongwith a  
well and electric pump, 700 orange trees, 3 mango trees and  
other trees thereon.

R. K. BALI,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 3-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 17th April 1978

Ref. No. IDR/24/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. C-5/506, MCJ, Gurunanakpura situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Madan Lal Banerjee  
S/o Shri Makhan Lal Banerjee.  
(ii) Smt. Nihar Banerjee  
W/o Shri Madan Lal,  
R/o Gurunanakpura, Jagadhari.

(Transferor)

- (2) Shri Kulbir Singh  
S/o S. Joginder Singh,  
R/o Hangoli, C/o H. No. C-5/506, M.C.J.  
Gurunanakpura, Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. C-5/506, MCJ, Gurunanakpura, Jagadhari.  
(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 2077 dated 26-8-1977 with the Sub-Registrar, Jagadhari).

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-4-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 17th April 1978

(1) Smt. Shakuntla Devi  
W/o Shri Hari Chand  
R/o 690-Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Dev Raj Dewan  
S/o Shri Ishwar Dass Dewan,  
11, Garodia Road, Anand Parbat,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IDR/24/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2, Sector 11-A, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Plot No. 2, Sector 11, Faridabad. Total area of plot is 2083 sq. yards.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 2583 dated 12-8-1977 with the Sub-Registrar, Ballabgarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-4-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 17th April 1978

Ref. No. KNL/45/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land and building on Kunjpura Road, situated at Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Raminder Kaur  
Wd/o Shri Sukhram Singh,  
Village Mangalpur, Kunjpura Road,  
Karnal.

(Transferor)

(b) Arpana Trust,  
Madhuban, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property consisting of single storey main house on land measuring 3578 sq. yards situated on Kunjpura Road, Karnal.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 3829 dated 1-9-1977 with the Sub-Registrar, Karnal).

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 17-4-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 17th April 1978

Ref. No. CHD/56/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 334, Sector 15-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Pindi Dass  
S/o Shri Bakshi Gopal Dass,  
C/o Shri Rajinder Kumar Bhasin,  
H. No. 126, Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Jaspat Lal Sehgal,  
(ii) Shri Jasbir Lal Sehgal,  
H. No. 334, Sector 15-A,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 334, Sector 15-A, Chandigarh. It is a 2½ storeyed building on marla plot.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 647 dated 24-9-1977 with the Sub-Registrar, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 17-4-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1978

Ref. No. RAC. No. 5/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot 2/5-3-42 to 47 Jeera Compound, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Manilal C. Modi,  
H. No. 5-3-42 to 47 Jeera Compound,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Master Nirav Kumar P. Modi, minor,  
Guardian father Sri Pramod Chandra Modi,  
H. No. 5-3-42 Jeera Compound,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 5-3-42 to 47 Jeera Compound, Secunderabad ad-measuring 3906 Sq. ft. known as "Modi Mansion" registered vide Doc. No. 1447/77 with the sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-4-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 12th April 1978

Ref. No. RAC. No. 6/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 6-1-126 / 127 situated at Padmaraoonagar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri L. Gangadhar Mudaliar,  
H. No. 127/128 at New Bhoiguda,  
Secunderabad.

(Transferee)

(2) 1. Sri Mamidela Chalapathy Rao,  
H. No. 6-1-191 Padmaraoonagar,  
Secunderabad.

2. Sri Madisetty Narasiah,  
S/o Sri Venkatesham,  
R/o Manoreria, Adilabad-Dist.

3. M. Bharati  
D/o M. Venkata Narasiah,

4. M. Sushela  
D/o M. Venkataramiah,  
Both residing at 6-1-191 Padmaraoonagar,  
Secunderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 6-1-126 and 6-1-127 (Old. No. 1/A) at Padmaraoonagar, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1333/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-4-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 13th April 1977

Ref. No. RAC. No. 7/78-79.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing G.F. No. 6-3-852/3 situated at Ameerpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on August, 77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Smt. V. Vadambal  
W/o Ganapathy Iyer,  
H. No. 6-3-852/2 Ameerpet,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri T. Narashimha Rao  
S/o Sri Krishnamurthy,  
Coconut Merchant, at Osmangunj,  
Hyderabad.

(Transferee)

(3) Sri H. K. Rajanna,  
6-3-852/3 at Ameerpet,  
Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor flat in portion B of H. No. 6-3-852/3 situated at Ameerpet, Hyderabad, registered through Doc. No. 1886/77 with the S.R.O. Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-4-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th April 1977

Ref. No. RAC. No. 8/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mulgi, 4-5-287 situated at Sultan Bazar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—56GI/78

(1) Smt. Rajkunwar Soni,  
W/o Sri B. D. Soni,  
H. No. 4-5-269 Sultan Bazar,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Radheshyam Agarwal  
S/o S. K. Agarwal,  
H. No. 15-8-350 Begum Bazar,  
Hyderabad.

(Transferee)

(3) M/s. Ganesh Medical Hall,  
2. Ganesh Agencies,  
H. No. 4-5-287 Sultan Bazar,  
Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mulgi No. 4-5-287, at Sultan Bazar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2264/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-4-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 20th April 1978

Ref. No. RAC. No. 35/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-3-547 situated at Mallepally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Mohd. Shareef S/o Lal Mohd.  
H. No. 11-3-547 at New Mallepally,  
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Sri Mohd. Jahangeer  
S/o Mohd. Ismail,  
M/s. Yousuff Bin Ahmed Ganoo & Co.,  
Post Box, No. 812 Jiddah, Saudi Arabia.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Double storied Building H. No. 11-3-547 situated at Moazampura Hyderabad, registered vide Doc. No. 2238/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

**K. S. VENKATARAMAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 20-4-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 642.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No 439/12 situated at Allavaram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amalapuram on 27-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Manthana Venkata Rayapa Raju,  
S/o Ramabhadra Raju,  
Allavaram, Amalapuram Tq.  
E.G. Dist.

(Transferor)

- (2) Nargana Sathi Raju,  
S/o Venkayya, Allavaram, Amalapuram Tq.  
E.G. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 5860/77 registered before the Sub-registrar, Amalapuram during the fortnight ended on 31-8-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-4-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 643.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

37-4-11 situated at Manemvari St., Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 17-8-77

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- S/Shri  
(1) 1. Narapareddi Tatabbai,  
S/o Ramadasu,  
2. N. Mangaraju S/o Ramadasu,  
3. N. Veeraraju S/o Ramadasu,  
4. N. Ramadasu S/o Venkataramana,  
5. N. Suramma W/o Venkataramana,  
6. N. Ramadasu S/o Tatabbai,  
7. N. Ramadasu, S/o Mangaraju,  
8. N. Satyanarayana S/o Mangaraju,  
8. N. Subrahmanyam, S/o Mangaraju,  
9. N. Subrahmanyam S/o Mangaraju,  
10. N. Ramakrishna S/o Mangaraju,  
11. N. Sai Sankararao S/o Mangaraju,  
12. N. Panchamugeswararao.  
Minor by guardian father Mangaraju,  
Manemvari St. Kakinada.

(Transferor)

- (2) Trilokchand S/o Chandanmalji,  
Manemvari St., Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4908/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-8-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-4-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 644.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10-14-21 situated at Repalli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Repalli on 5-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Pamulapati Chinnamma,  
2. Pamulapati Viragyan,  
10th Ward, Near Venkateswaraswamy Temple,  
Repalli.

(Transferor)

- (2) Vallabhaneni Poornaiah, Sajjavaripalem,  
Vullipalem Post, Via Repalli, Repalli Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1896/77 registered before the Sub-Registrar, Repalli during the fortnight ended on 15-8-1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-4-1978

Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 645.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18/32 situated at Kothapeta Yelamanchili (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Yelamanchili on 20-8-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Malla Jagannadham S/o Appalawamy,  
Somalingapalem Yelamanchili Taluk,  
Vizag Dist.

(Transferor)

(2) 1. Karri Venkata Ramana  
S/o Sanyasi Naidu,

2. Karri Nookaratnam, W/o Venkata Ramana,  
Station Road, Yelamanchili,  
vizag Dist.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3485/77 registered before the Sub-Registrar, Yelamanchili during the fortnight ended on 31-8-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-4-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 646.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-1-57 situated at Main Road, Waltair

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 3-8-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Rukminiben Patel W/o B. L. Patel,  
Site Engineer  
C/o V. S. Dugod & Co. (P) Ltd.,  
Ashirwad Building, Ponda (Goa) 403401.

(Transferor)

- (2) Shri Kalidindi Sitarama Raju, S/o Gollaraju  
Pedapulleru, Bhimavaram Taluk,  
W. Godavari Dist.

(Transferee)

- (3) N. B. Athevia,  
D. No. 7-1-57, Waltair Main Road,  
Vizag.

[Person in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule property as per registered document No 2309/77 registered before the Sub-Registrar, Vizag, during the fortnight ended on 15-8-1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 6-4-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 647.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-57 situated at Main Road Waltair (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on 3-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rukminiben Patel W/o B. L. Patel,  
Site Engineer,  
C/o V. S. Dugod & Co. (P) Ltd.,  
Ashirwad Building, Ponda (Goa) 403401.  
(Transferor)

(2) Shri Kalidindi Laxmana Murty Raju  
S/o Gollaraju,  
Pedapulleru, Bhimavaram Taluk,  
West Godavari Dist.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2310/77 registered before the Sub-registrar, Vizag during the fortnight ended on 15-8-1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-4-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 648.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Factory situated at Industrial Estate, Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 29-8-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

8—56GI/78

- (1) Shri Satyanarayana Maheswari  
S/o Madan Gopal Daga,  
M. G. Road, Vizianagaram.

(Transferor)

- (2) Shri Bentapati Kamarajugari Suryarao  
S/o Kamaraju,  
M. G. Road, Vizianagaram.

(Transferee)

- (4) Associated Private Industrial Estate Officer,  
Vizianagaram.

[Person whom the undersigned  
knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4627/77 registered before the Sub-registrar, Vizianagaram during the fortnight ended on 31-8-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-4-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 649.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-2-56 situated at Main Road, Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 29-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kobjamana Mohidin Data  
S/o Mohd. Mira Data,  
Hotel Milap, Kodugantivari St.,  
Vizianagaram.

(Transferor)

(2) Narayam Mahaswarao  
S/o Ramarao,  
Haji Shariff St.,  
Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4628/77 registered before the Sub-registrar, Vizianagaram during the fortnight ended on 31-8-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-4-1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Chalasani Lingayya  
S/o Venkata Ramayya,  
Bhatlapenumarru, Divi Taluk,  
Krishna Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tatineni Kusuma Kumarf  
W/o Dr. T. Tataiah Babu,  
Nuzvid, Krishna Dist.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 650—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 216 situated at Nuzvid (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 3-8-1977

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3109/77 registered before the Sub-registrar, Nuzvid during the fortnight ended on 15-8-1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-4-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 651.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 216 situated at Nuzvid (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nuzvid on 3-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Chalasani Lingayya  
S/o Venkata Ramayya,  
Bhatlapenumarru, Divi Taluk,  
Krishna Dist.

(Transferor)

(2) Tatineni Kusuma Kumari  
W/o Dr. T. Tataiah Babu,  
Nuzvid, Krishna Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3110/77 registered before the Sub-registrar, Nuzvid during the fortnight ended on 15-8-1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 6-4-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 7th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 654.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-5-4 situated at Srikakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srikakulam on August 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Koonu Sanyasi Appala Naidu  
S/o Gunnayya,

2. Koonu Sreeramulu  
S/o Sanyasi Appalanaidu,  
Sitapuram, Tekkali Taluk,  
Srikakulam Dist.

(Transferor)

(2) Smt. Pyari Begum W/o Abdul Razak,  
Alankar Lodge, Petromax St.,  
Srikakulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2545/77 registered before the Sub-registrar, Srikakulam during the fortnight ended on 15-8-77.

N. K. NAGARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 7-4-78

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA**

Kakinada, the 7th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 655.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plots No. B5 & B6 situated at Industrial Estate, Masula (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Masula on 24-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Thota Ramachandrarao S/o Venkayya,  
2. Smt. T. Mahalaxmma W/o Ramachandrarao,  
Kojjilipeta, Masula.

(Transferor)

- (2) 1. M/s. Uma Chemicals Repr. by Mg. Partners :  
Sri Maddula Pandu Rangarao,  
2. Dintakurthi Atchuta Ramarao,  
Machavaram, Machilipatnam.

- (4) 1. Office incharge A.P.I.I.S. Corpn., of Industrial Estate, Masula  
2. Andhra Pradesh Financial Corpn. Ltd.,  
P.B. 165, 5-9-194, Chirag Ali Lane,  
Hyderabad-1.

(Person whom the undersigned  
knows to be interested in the property)  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule property as per registered document No. 3143/77 registered before the Sub-registrar, Masula during the fortnight ended on 31-8-77.

**N. K. NAGARAJAN**  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 7-4-78

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 10th April 1978

Ref. No. Acq. E. No. 656.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

2-10-2 situated at Srinagar, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kakinada on 31-8-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Pemmaraju Krishnaveni W/o Laxmipati,  
Malakpeta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kampaia China Apparao  
S/o Late Ramaswamy,  
Srinagar, Kakinada-533003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 5139/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-8-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-4-78

Seal :

## FORM ITNS—

(1) K. Sundari alias Sundaramma  
C/o Nalam Kasi Viswanadham,  
10th Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Siddireddi Ganapatirao S/o Apparao,  
13th Ward, Palakol, W.G. Dist.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said proper-  
ty may be made in writing to the undersigned :—

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 15th April 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq. F. No. 657.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000 and bearing  
RS No. 872, 885 & 888 situated at Penumadam  
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Palakol on 11-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.  
2108/77 registered before the Sub-registrar, Palakol,  
during the fortnight ended on August, 1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 15-4-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 15th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 658.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

14-29-41 situated at Tenali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tenali on 12-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

19—56GI/78

(1) Chodey Annapoorna W/o Bapiraju,  
Srinagar, Kakinada.

(Transferor)

(2) Parchuri Satyadev S/o Sitaramaiah,  
Morrispet, Tenali.

(Transferee)

(3) Smt. K. Ramamani W/o Late Venkatappaiah,  
Morrispet, Tenali.

[Person in occupation of the property]

(4) Smt. K. Ramamani W/o Late Venkatappaiah,  
Morrispet, Tenali.

[Person whom the undersigned  
knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2257/77 registered before the Sub-registrar, Tenali during the fortnight ended on 15-8-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 15-4-1978

Sgnl :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 15th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 659.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

14-29-41 situated at Tenali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on 12-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt Aregapudi Vasavapurna  
W/o Ramesh Chowdary,  
138, Shenoyanagar, Madras-30. (Transferor)
- (2) Parachuri Satyadev S/o Sitaramaiah,  
Morrispetta, Tenali. (Transferee)
- (3) K. Ramani W/o Late Venkatappaiah,  
Morrispetta, Tenali. (Person in occupation of the property)
- (4) K. Ramamani W/o Late Venkatappaiah,  
Morrispetta, Tenali. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2256/77 registered before the Sub-registrar, Tenali during the fortnight ended on 15-8-1977.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 15-4-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 18th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 660.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 8-3-28 situated at Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Vizianagaram on 27-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Badrunisa Begum, W/o M. M. A. Jabbar, Visakhapatnam.

(Transferor)

- (2) Piratla Sankara Suryanarayana S/o Gavarayya, Yekulaveedhi, Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 618/77 registered before the Sub-registrar, Vizianagaram during the fortnight ended on 31-8-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 18-4-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Badrunisa Begum W/o M.M.A. Jabbar,  
Visakhapatnam.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Piratla Sankara Suryanarayana S/o Gavarayya,  
Yekulaveedhi, Vizianagaram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 18th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 661.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8-3-28 situated at Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 27-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid person within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4617/77 registered before the Sub-registrar, Vizianagaram during the fortnight ended on 31-8-77.

N. K. NAGARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 18-4-78

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 18th April 1978

Ref. No. Acq. F. No. 662.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sago Factory situated at Peddapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peddapuram in August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Palacherla Ramarao,  
2. Sri Gummalla Venkatarao,  
3. Palacherla Saraswathi,  
4. Alanka Ramanarao,  
5. Alanka Mahadevarao,  
6. A. Varalakshmi,  
7. Vujji Suryarao,  
8. Guntamukkala Suryanarayana,  
9. Parimi Tatamma,  
10. Palacherla Payappamma,  
11. Avasarala Venkatachalapathirao,  
12. Yarlagedda Suriyamma,  
Partners of M/s. Jayalakshmi Sago and Starch Factory, Vetalpalem,

(Transferor)

- (2) 1. B. V. R. P. V. Padmavathi,  
2. B. Ramakrishna Chowdary,  
3. B. Paddayya,  
4. B. S. S. Sekhar and  
5. B. Paparao,  
Partners of M/s. Bhavani Dago and Starch Factory, Peddapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1742/77 registered before the Sub-registrar, Peddapuram during the fortnight ended on 31-8-77.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kakinada.

Date : 18-4-78

Seal :

**STAFF SELECTION COMMISSION  
NOTICE**

New Delhi, the 29th April 1978

**STENOGRAPHERS EXAMINATIONS, 1978 FOR  
SUBORDINATE OFFICES**

No. F.13/5/78-E.A.—Staff Selection Commission will hold on 27th August, 1978 examinations for filling up vacancies of Stenographers in the following scales of pay :—

- (i) 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.
- (ii) Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.
- (iii) Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.

2. **VACANCIES** : On the results of these examinations, Commission will recommend successful candidates for filling up existing vacancies and vacancies likely to arise upto 31st August, 1979 in the Subordinate and such other Offices of the Government of India located throughout the Country, whose recruitment rules conform to the conditions of eligibility laid down for these examinations in paras 4 and 5 below. The number of vacancies likely to be filled in the aforesaid scales of pay may be about 400.

3. **RESERVATION OF VACANCIES** : Reservation for SC/ST candidates, Ex-servicemen and physically handicapped persons will be made according to orders in force.

4. **AGE LIMITS** : 18 to 25 years on 1-1-1978 (born not earlier than 2nd January, 1953 and not later than 1st January, 1960). Upper age limit relaxable for SCs/STs, Ex-servicemen and certain other categories of persons as per Government orders in force from time to time.

Relaxation in Upper age limit also admissible upto age of 35 years to departmental candidates wherever vacancies exist under the control of the same Ministry/Department where the departmental candidates have rendered not less than 3 years continuous service provided they are working in posts which are in the same line or allied cadres and where a relationship could be established that service rendered in the Department will be useful for efficient discharge of the duties in the above-mentioned posts in the same Department in accordance with Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 4/4/76-Estt(D) dated 20th July, 1976.

5. **EDUCATIONAL QUALIFICATIONS** : Matriculation or equivalent. Candidates who have yet to appear at Matriculation or equivalent examination or whose result has been withheld or not declared are NOT eligible.

6. **FEES** : Rs. 12/- (Rs. 3/- for SCs and STs). No fee for Ex-servicemen. Remission of fee may be allowed to Repatriates from Sri Lanka/Burma who are not in a position to pay it. Fee must be paid through Indian Postal Orders, crossed "A/C PAYEE ONLY" or by Bank Draft, valid for at least six months and drawn, on the State Bank of India only, in favour of Staff Selection Commission and payable as indicated in Table in para 7 below.

**7. SELECTION OF REGION/CENTRE AND ADDRESS TO WHICH APPLICATIONS SHOULD BE SENT :**

Candidates must select only ONE of the Regions and ONE of the Centres mentioned against that Region. A candidate must submit his application only to the address mentioned in column 3 against the centre opted for by him.

No change in Centre will ordinarily be permissible and a candidate will be eligible for appointment to vacancies in the subordinate offices, etc. located in the group of States/Union Territories comprising the Region shown in column 1 of the table below. The Commission however reserve the right to post a candidate to an office located in a Region other than the one opted for by him.

Region	Centre	Address to which applications should be sent	Post Office at which postal orders should be payable	Branch of the State Bank of India at which Bank Drafts should be payable
1	2	3	4	5
1. Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh, Haryana, Punjab, Rajasthan and Union Territories of Delhi & Chandigarh (Region 1).	Delhi, Jaipur, Patiala, Simla & Srinagar.	Controller of Examinations (H. Q.) Staff Selection Commission, West Block 1, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022.	Sarojini Nagar Post Office, New Delhi.	Local Head Office, Parliament Street, New Delhi.
2. Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and Bihar (Region 2).	Allahabad, Bhopal and Patna.	Controller of Examinations (C. R.), Staff Selection Commission, 71/3-B, Stanley Road, Kamla Nagar, Allahabad.	Kutchery Post Office Allahabad.	Local Head Office, Allahabad.
3. West Bengal, Orissa, Assam, Manipur, Tripura, Nagaland, Meghalaya, Sikkim & Union Territories of Mizoram, Arunachal Pradesh and Andaman & Nicobar Islands (Region 3).	Agartala, Calcutta, Cuttack & Dispur (Gauhati)	Controller of Examinations (E. R.), Staff Selection Commission, Premises No. 15/1 (5th Floor), Chowringhee Square, Calcutta.	G.P.O. Calcutta.	Local Head Office, Calcutta.
4. Gujarat, Maharashtra & Union Territories of Goa, Daman & Diu, and Dadra & Nagar Haveli (Region 4).	Ahmedabad, Bombay & Nagpur.	Controller of Examinations (W. R.), Staff Selection Commission, Carmilos Building (4th Floor), Opposite G. T. Hospital (near Metro Cinema), Bombay.	G.P.O. Bombay	Local Head Office, Bombay.
5. Andhra Pradesh, Karnataka, Tamil Nadu, Kerala & Union Territories of Pondicherry and Lakshadweep (Region 5).	Bangalore, Hyderabad, Madras & Trivandrum.	Controller of Examinations (S. R.), Staff Selection Commission, 150-A, L.L.A Building, (2nd Floor), Anna Salai, Madras.	Anna Road, P. O., Madras.	Local Head Office, Madras.

8. **SCHEME OF EXAMINATION** : The written portion of the examinations will comprise two Papers, one on English Language and the other on General Knowledge, carrying a maximum of 200 marks. The questions will be of "Objective—multiple choice" type. Candidates who attain a minimum standard in these Papers, as may be fixed by the Commission in their discretion, will be tested in English Hindi stenography, the tests for which will be held subsequently on the dates which will be notified to each eligible candidate.

The Paper on English Language will be of one hour's duration and will carry 100 marks. Questions will be designed to test candidates knowledge of English grammar vocabulary, spellings, synonyms and antonyms, his power to understand and comprehend the English language, and his ability to discriminate between correct and incorrect usage, etc. The Paper on General Knowledge will be of one hour's duration and will carry 100 marks. Candidates are expected to have some knowledge of the Constitution of India, Five-year Plans, Indian History and Culture, General and Economic Geography of India, current events, every-day science and such matters of every-day observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

The questions both the Papers for all candidates, who opt to appear in the stenography tests in English, will be in English. Questions in the Paper on General Knowledge, for those candidates who opt to appear in the Stenography Tests in Hindi, will be in Hindi.

Stenography Tests of candidates who opt for the lowest scale of pay, viz., Rs. 330—560, will consist of two dictation tests in English or Hindi, one at 80 words per minute for five minutes and another at 100 words per minute for five minutes. Candidates who opt to take the Stenography Tests in English will be required to transcribe the dictated passage in 30 and 35 minutes respectively and those who opt to take the Tests in Hindi will be required to transcribe the dictated passages in 35 and 40 minutes respectively.

Stenography Tests of those candidates who opt for the higher scales of pay, viz., Rs. 425—800 and Rs. 425—700, will consist of an additional dictation test in English or Hindi at 120 words per minute for five minutes. Candidates who opt to take the Stenography Test in English will be required to transcribe the passage in 40 minutes and those who opt to

take the Stenography Tests in Hindi will be required to transcribe the passage in 50 minutes.

Stenography Test at each speed shall carry 300 marks.

9. **SELECTION OF CANDIDATES** : Candidates who attain the minimum qualifying standard in the Stenography Test at 120 words per minute will rank *en bloc* above candidates who attain the minimum qualifying standard in the Stenography Test at 100 words per minute; those who qualify in the Stenography Test at 100 words per minute will similarly rank *en bloc* above candidates who qualify in the Stenography Test at 80 words per minute, persons in each group being arranged *inter se* in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate.

Provided that candidates belonging to Scheduled Castes/Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for them cannot be filled on the basis of general standards, be recommended at relaxed standards to make up deficiency in reserved quota subject to fitness of such candidates for selection, irrespective of their ranks in the order of merit.

Candidates who qualify at the Stenography Tests either at the speed of 120 words or 100 words per minute may be recommended against posts carrying higher scales of pay, subject to availability of vacancies. Candidates who qualify only at the speed of 80 words per minute will not be eligible for being recommended against posts carrying higher scales of pay.

Candidates who opt to take the Stenography Tests in Hindi will be required to learn English Stenography, and *vice versa*, after their appointment.

10. **SUBMISSION OF APPLICATION AND CLOSING DATE** : Applications on plain paper (foolscap size), duly typed on one side and in double space and duly signed, giving following information in tabular form together with prescribed fee, and 3 copies of candidate's signed recent photograph (passport size) must reach one of the offices of the Commission mentioned in table under para 7 above, according to the Centre selected by the candidate, latest by 29th May, 1978. Applications received after that date or not accompanied by fee or photographs shall be rejected summarily. Fee once paid will not be refunded under any circumstances.

Candidates already in Government Service must submit their applications through their offices.

#### APPLICATION FOR STENOGRAPHER— EXAMINATION, 1978

Candidates should paste a copy of the photograph at the top

- (1) Name of the Candidate (in block capitals) . . . . .
  - (2) Date of birth (in Christian era) . . . . .
  - (3) Indicate the centre (out of centres given) at which you wish to take the examination . . . . .
  - (4) State whether
    - (a) you belong to SC/ST; . . . . .
    - (b) you are an ex-serviceman . . . . .
    - (c) you are physically handicapped . . . . .
    - (d) Do you claim age/fee concession? If so, indicate the category(ies) to which you belong . . . . .
  - (5) State the medium (Hindi or English) in which you want to take the stenography tests . . . . .
  - (6) State whether
    - (a) you want to opt for lowest grade and take dictation test at 100 and 80 words per minute. . . . .
    - (b) you want to opt for higher grades also and take dictation test at 120 words per minute . . . . .
- (Answer 'Yes' or 'No')

- (7) Serial number and number of postal orders/Bank Draft enclosed and their value \_\_\_\_\_
- (8) Examinations passed (Board/University) \_\_\_\_\_
- (9) State your Religion \_\_\_\_\_
- (10) Father's Name \_\_\_\_\_
- (11) Number of Region (out of five regions *v/z.* 1 to 5 given in table of para 7 for which you wish to compete). \_\_\_\_\_
- (12) Your postal address (please also enclose six typed slips indicating your name and address) \_\_\_\_\_
- (13) Name and address of the Govt. Office where you are working, if employed. (Application should reach the Commission before closing date through the Head of Office/Department) \_\_\_\_\_

## DECLARATION

I have carefully read the conditions of eligibility advertised and I satisfy these conditions for admission to the examination and statements made in this application are true, complete and correct to the best of my knowledge and belief.

(b) Original documents/certificates will be produced by me on demand.

Place \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

Signature of the Candidate \_\_\_\_\_

- NOTE:—(1) The envelope containing the application should be superscribed as :—  
"APPLICATION FOR STENOGRAPHERS EXAMINATION, 1978 FOR SUBORDINATE OFFICES".
- (2) Candidates must satisfy all the conditions mentioned in the NOTICE.
- (3) Attested copies of certificates about age, educational qualifications, etc. should be sent with the application. Original certificates should *not* be submitted.
- (4) No T.A. will be paid to candidates for appearing at the examination.
- (5) Applications must be submitted in English or Hindi only.

VIVEK BHATTACHARYA  
Controller of Exams.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
NOTICE  
INDIAN ADMINISTRATIVE SERVICE ETC.  
EXAMINATION, 1978

F. 1/7/77-EI(B)

New Delhi, the 6th May 1978

A combined competitive examination for recruitment to the categories of Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at 'AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TRIVANDRUM and LONDON, commencing on the 25th September, 1978 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 6th May, 1978.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 11 of Annexure).

2. The categories of services/posts to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in the various services/posts are given below :

Category I	
(i) The Indian Administrative Service and	140**
(ii) The Indian Foreign Service	10 (Includes 2 vacancies reserved for sch. Castes candidates)
Category II	
(i) The Indian Police Service	50**
(ii) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service Group B	1
and	
(iii) Posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/ Adjutant Group B in the Railway Protection Force	8**
Category III	
Group A Services :	
(i) The Indian P & T Accounts & Finance Service	*
(ii) The Indian Audit & Accounts Service	12**
(iii) The Indian Customs & Central Excise Service	50**

- (iv) The Indian Defence Accounts Service . . . 10 (Includes 2 Vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 2 vacancies reserved for scheduled tribes candidates)
- (v) The Indian Income-Tax Service (Group A) . . . \*
- (vi) The Indian Ordnance Factories Service Group A (Assistant Managers—Non-Technical) . . . 14 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 2 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (vii) The Indian Postal Service \*
- (viii) The Indian Civil Accounts Service . . . 4 (Includes 1 vacancy reserved for S. C. candidates)
- (ix) The Indian Railway Accounts Service . . . 12\*\*
- (x) The Indian Railway Traffic Service. . . and . . . 20\*\*
- (xi) The Defence Lands and Cantonments Service, Group A . . . 2
- (b) Group B Services :
- (i) The Central Secretariat Service Section Officer's Grade Group B . . . 36 (Includes 5 vacancies reserved for scheduled Castes candidates and 3 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (ii) The Indian Foreign Service Branch 'B' Integrated Grade II and III of the General Cadre (Section Officer's, Grade) . . . 2 (Includes one vacancy reserved for Scheduled Tribes candidates).
- (iii) The Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistant Civilian Staff Officers Grade Group B . . . 24 (Includes 4 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 2 vacancies for Scheduled Tribes candidates)
- (iv) The Customs Appraisers Service, Group B . . . 15\*\*
- (v) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service' Group B . . . and . . . 3\*\*
- (vi) The Railway Board Secretariat Service. (Section Officers' Grade) Group 'B'. . . 1 (reserved for ST candidates)

\*Vacancies not intimated by Government.

\*\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

The above numbers are liable to alteration.

Candidates who qualify in the examination for Services in Category II/Category III may also be considered for the following Services under the Central Government subject to

20—56GI/78

availability of vacancies being intimated to the Commission in time.

- (i) The Goa, Daman and Diu Civil Service, Group 'B'.
- (ii) The Goa, Daman and Diu Police Service, Group 'B'.
- (iii) The Pondicherry Civil Service, Group 'B' and
- (iv) The Pondicherry Police Service, Group 'B'

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the categories of Services mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for more than one category of Services, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the categories for which he applies.

N.B.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services covered by the category/categories concerned for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE I.A.S. ETC. EXAMINATION, 1978 APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE I.A.S. ETC. EXAMINATION 1978, WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 19th June, 1978 (3rd July, 1978 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 19th June, 1978), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 19th June, 1978.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 80.00 (Rs. 20.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 54.00 (Rs. 14.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. If any candidate who took the Indian Administrative Service etc. Examination held in 1977 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1977 examination, his candidature for the 1978 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination vide para 8, above provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office on or before 31st July, 1978.

10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

B. R. PATEL,  
Secretary,  
Union Public Service Commission.

#### ANNEXURE

##### Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form the candidate should consult the Notice, and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisation or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary,

Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) **CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission.** (See paras 6 and 7 of the Notice and paras 5 and 6 below).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable (see para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (i), (ii), (iii), (v) and (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAETTED OFFICER OF GOVERNMENT OF CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF FEBRUARY, 1979. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (vi) are given below and in paras 4, 5 and 6 :—

(i) (a) **CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—**

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.”

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) **CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—**

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) **Certificate of Age.**—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which

extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/High Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit in attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 8. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) *Two Copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5cm.×7cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Schedule Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below of the district in which his parents (or surviving parents) ordinarily reside who has been designated by the State Government concern-

ed as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates apply for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\*—  
son/daughter\* of — of village/town\* —  
in District/Division\* — of  
the State/Union Territory\* — belongs to the —  
Caste/Tribe\* which is recognised as a  
Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under :—

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959\* as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967.\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu)\* Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes, Order, 1970.\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\* ..... and/or  
his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town\* .....  
..... of ..... District/Division\* of the  
State/Union Territory\* of .....

Signature.....  
\*\*Designation.....  
(with seal of Office)

Place .....

Date .....

State/Union Territory\*

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/  
Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy  
Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary  
Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional  
Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/

Extra Assistant Commissioner.  
†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 7 (b)(i) or 7 (b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(ii) A repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 7(b)(iv) or 7(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 7 (b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 7(b)(vii) or 7(b)(viii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 7(b)(ix) or 7(b)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director-General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled in the Defence Services in operations, during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. .... Shri ..... of unit ..... was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 7(b)(xi) or 7(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate.*

Certified that Rank No. .... Shri ..... of Unit ..... was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

(vii) A repatriate of India origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 7(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(viii) A candidate claiming age concession under rule 7(c) should submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stating that the candidate had been detained under the Maintenance of Internal Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisdiction in the area stating that the candidate had been arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the detention or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's political affiliations or activities or his association with the erstwhile banned organisation.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), 5(ii) and 5(iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms).

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations and copies of pamphlets containing detailed marks awarded to candidates summoned for interview for Personality Test on the result of the written part of examination held in previous years are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi, 110054, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counters of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-110001, and office of the Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi 110011, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011) AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

## STAFF SELECTION COMMISSION

### NOTICE

#### GRADE 'C' STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1978

Staff Selection Commission, New Delhi, will hold on 14th September, 1978 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at Selected Indian Missions abroad a competitive examination for recruitment to temporary vacancies in Grade 'C' of Central Secretariat Stenographers' Service, Grade II of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B), Grade 'C' of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service and Grade 'C' of Railway Board Secretariat Stenographers' Service.

#### 2. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

Must be a permanent or temporary regularly appointed Grade 'D' or Grade III Stenographer of any one of the Services mentioned above satisfying the following conditions :—

(a) *Length of Service* : Must have on 1st January, 1978 rendered not less than *three* years' approved and continuous service as Grade 'D' or Grade III Stenographer of the service concerned.

(b) *Age* : Not more than 50 years on 1st January, 1978. Upper age limit relaxable for SCs/STs and certain other specified categories.

(c) *Stenography Test* : Unless exempted, he should have passed Commission's Stenography Test for the purpose of confirmation or continuance in Grade 'D' or Grade III of the service concerned, on or before the date of notification of this examination.

3. *Fee* : Rs. 12/- (Rs. 3/- for SCs/STs).

4. Full particulars and application forms are obtainable from Controller of Examinations, Staff Selection Commission, West Block 1, R. K. Puram, New Delhi-110022, by remitting Rs. 1.00 by means of CROSSED (A/C Payee) INDIAN POSTAL ORDER payable to the Staff Selection Commission, at Sarojini Nagar Post Office, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Commission's Office.

5. Completed application forms, must reach the Commission by 12th June, 1978 (26th June, 1978 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep).

H. L. AGGARWAL  
Under Secretary.

